श्रावण कृष्ण - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 343 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 12-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 गंभीर ने बीसीसीआई के परिवार नियम का समर्थन किया

6 प्रकृति का रंगीला उत्सव है सावन का महीना

7 राजा सिंह ने हिंदुत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

फर्स्ट टेक

चिराग पासवान को जान से मारने की धमकी

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को जान से मारने की धमकी दिये जाने को लेकर आज यहां साइबर क्राइम थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। लोजपा रामविलास के मुख्य प्रवक्ता राजेश कुमार उर्फ राजेश भट्ट ने आज यहां बताया कि पासवान को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दी गयी है, जिसके बाद स्थानीय साइबर क्राइम थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी। उन्होंने बताया कि पासवान की बढ़ती हुई लोकप्रियता से घबराकर सोशल मीडिया के माध्यम से टाइगर मेराज इद्रीसी के नाम से बने इंस्टाग्राम अकाउंट से यूट्यूबर प्रत्रकार दक्षाप्रिया के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पासवान को बम से उड़ाकर जान से मारने की धमकी दी गई है।

22 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नारायणपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 22 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से कुछ पर कुल 37.50 लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 22 नक्सलियों में आठ महिला नक्सली भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि ये नक्सली नारायणपुर जिले के माड़ संभाग के कुतुल, नेलनार और इंद्रावती एरिया कमेटी अंतर्गत सक्रिय थे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जिले में कुल 132 नक्सलियों आत्मसमर्पण किया है।

भारतीय तटरक्षक बल ने अमेरिकी नौका, चालक दल के दो सदस्यों को बचाया

नई दिल्ली/भाषा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 'इंदिरा प्वाइंट' के दक्षिण-पूर्व में समुद्र में फंसी एक अमेरिकी नौका तथा इसके चालक दल के दो सदस्यों को भारतीय तटरक्षक बल ने बचा लिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) पोर्ट ब्लेयर को 10 जुलाई को पूर्वाह्न 11:57 बजे चेन्नई स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से 'इंदिरा पॉइंट' के 52 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में 'सी एंजेल' नामक नौका और इसके चालक दल के दो सदस्यों के फंसे होने की जानकारी मिली। चालक दल के दो सदस्यों में एक अमेरिका और एक तुर्किए से था। तटरक्षक बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नौका का पाल उड़ जाने और 'प्रोपेलर' के उलझ जाने के कारण यह बेहद कठिन परिस्थिति में फंस गई।

12-07-2025 सूर्यास्त 6:50 बजे | 13-07-2025 सूर्योदय 6:00 बजे

BSE	NSE
82,500.47	25,149.85
(-689.81)	(-205.40)

सोना	चांदी
10,177 रु.	110,709 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जनता का तलाक

वोटों के खातिर नित प्रतिदिन,
जन-जन का सीना करे चाक।
करते रहते जो तुष्टिकरण,
जनता देखे होकर अवाक।
कानून बदल दे बहुमत से,
चाहे हो कोई भी हलाक।
कैसे दें हम सब मिलकर के,
इन सारे ही दल को तलाक।।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में

गैर हिंदू कर्मचारियों की नियुक्ति पर केंद्रीय मंत्री ने उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- यह कैसे हो रहा है कि करीब 1,000 गैर-हिंदू कर्मचारी, जो भगवान में विश्वास नहीं रखते, टीटीडी में नौकरी कर रहे हैं?
- हिंदू श्रद्धालुओं में गंभीर चिंता के बावजूद अभी तक कोई जांच क्यों नहीं शुरू की गई है?

तिरूपति/भाषा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि करीब 1,000 गैर-हिंदू भगवान वेंकटेश्वर में आस्था रखे बिना या सनातन धर्म का पालन किए बिना तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में काम कर रहे हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने सवाल किया, अगर गैर-हिंदू कर्मचारियों की भर्ती पहले हुई थी, तो अब तक इसमें बदलाव क्यों नहीं किया गया? भाजपा नेता ने आग्रह किया, इसमें कई छिपी हुई गड़बड़ियां हो सकती हैं। इसकी गहन जांच होनी चाहिए।

बंदी संजय कुमार ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान

सवाल उठाया, जो गैर-हिंदू भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर में आते हैं, उन्हें यह बताना होता है कि वे भगवान में आस्था रखते हैं। फिर ऐसे में यह कैसे हो रहा है कि करीब 1,000 गैर-हिंदू कर्मचारी, जो भगवान में विश्वास नहीं रखते, टीटीडी में नौकरी कर रहे हैं? उन्होंने हाल ही में हुए एक मामले का जिक्र किया जिसमें एक व्यक्ति को निलंबित कर दिया गया था क्योंकि यह पाया गया कि वह टीटीडी का कर्मचारी होने के बावजूद नियमित रूप से चर्च जा रहा था। राज्य मंत्री ने इस बात की जांच की मांग की कि बोर्ड में कितने गैर-हिंदू कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू श्रद्धालुओं में गंभीर चिंता के बावजूद अभी तक कोई जांच क्यों नहीं शुरू की गई है।

'ऑपरेशन सिंदूर में हमने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक निशाना साधा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने पाकिस्तान की सीमा के पार नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमला किया और उनमें से कोई भी नहीं चूका। डोभाल ने सीमा पार के खतरों को बेअसर करने में भारत की क्षमता और तकनीकी योग्यता पर गर्व जताया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल ने कहा कि सटीकता ऐसी थी कि भारत को पता था कि कौन कहां है। उनके मुताबिक, पूरा ऑपरेशन सात मई को रात एक बजे के बाद शुरू हुआ और मुश्किल से 23 मिनट तक जारी रहा।

आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में डोभाल ने प्रश्नात्मक लहजे में कहा, इसके बाद उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने ऐसा किया वगैरह वगैरह। क्या आप मुझे एक भी ऐसी तस्वीर दिखा सकते हैं जिसमें दिखता हो कि भारत को इस दौरान कोई नुकसान हुआ है?

एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट 'बहुत जल्द'

मुंबई/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि पिछले महीने अहमदाबाद में हुई एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट बहुत जल्द आने की उम्मीद है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मंत्रालय जांच में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर रहा है। बारह जून को एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान (उड़ान एआई 171) लंदन गैटविक के लिए अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे इसमें सवार 241 लोगों सहित 260 लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में एक यात्री जीवित बच गया था। नायडू ने कहा, ''बहुत जल्द...एएआईबी इस पर काम कर रहा है...यह एएआईबी की जिम्मेदारी है, उन्हें अपना काम करने दें।''

संविधान से 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' को हटाने का प्रयास कर रही है भाजपा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- खरगे ने दावा किया, उद्योग के नाम पर भाजपा सरकार हर जगह जंगलों को नष्ट कर रही है... अगर दलित, आदिवासी और युवा अपने अधिकारों के लिए लड़ना नहीं सीखेंगे, तो वे उनका भी सफाया कर देंगे।

भुवनेश्वर/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार संविधान से 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' को हटाने का प्रयास कर रही है तथा गरीबों और आदिवासियों की रक्षा के लिए बनाए गए कानूनों को कमजोर कर रही है।

खरगे ने यहां पार्टी के 'संविधान बचाओ समावेश' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि देश के आदिवासियों, दलितों, महिलाओं और युवाओं को भाजपा शासन में अपने अधिकारों के लिए लड़ना सीखना होगा। उन्होंने कहा, ''भाजपा का मिशन संविधान को बदलना है...केंद्र की भाजपा सरकार हमारे संविधान से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद को हटाने का प्रयास कर रही है।''

खरगे ने कहा कि कांग्रेस 2006 में गरीबों और आदिवासियों की रक्षा के लिए वन अधिकार अधिनियम लायी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इस कानून को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया, उद्योग के नाम पर भाजपा सरकार हर जगह जंगलों को नष्ट कर रही है... अगर दलित, आदिवासी और युवा अपने अधिकारों के लिए लड़ना नहीं सीखेंगे, तो वे उनका भी सफाया कर देंगे।

खरगे ने ओडिशा में भाजपा समर्थकों पर दलितों और सरकारी अधिकारियों पर हमला करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, ओडिशा के गंजाम में हाल ही में दो दलित पुरुषों के बाल काट दिये गए, उन्हें घुटनों के बल चलने को मजबूर किया गया, घास खाने और गंदा पानी पीने पर मजबूर किया गया... भुवनेश्वर में एक सरकारी अधिकारी पर भी सरेआम हमला किया गया।''

सरकार ने इलेक्ट्रिक ट्रक को बढ़ावा देने के लिए शुरू की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने सरकार की पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों की खरीद पर ग्राहकों को 9.6 लाख रुपए तक के प्रोत्साहन देने की योजना शुक्रवार को शुरू की। यह पहली बार है जब इलेक्ट्रिक ट्रक की खरीद को बढ़ावा देने के लिए योजना लायी गयी है।

इस योजना के तहत 10,900 करोड़ रुपए के बजट में से 500 करोड़ रुपए इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए निर्धारित किए गए हैं।

बंदरगाह, लॉजिस्टिक, सीमेंट और इस्पात सहित अन्य उद्योग इस योजना के प्रमुख लाभार्थी होंगे। इसके तहत 5,600 इलेक्ट्रिक ट्रकों को समर्थन देने की योजना है।

कुमारस्वामी ने कहा, '' कुल वाहन संख्या में डीजल ट्रक की केवल तीन प्रतिशत हिस्सेदारी होने के बावजूद परिवहन-संबंधी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में इसका योगदान 42 प्रतिशत है। ये वायु प्रदूषण को काफी बढ़ा देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व द्वारा निर्देशित यह, इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए पहली योजना है। '' उन्होंने कहा, '' यह हमारे देश को पर्यावरण अनुकूल तरीके से माल ढुलाई परिवहन, स्वच्छ भविष्य और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में ले जाएगा। यह 2070 तक हमारे शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य के अनुरूप है।''

कुमारस्वामी ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि यह प्रयास 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देगा, स्थानीयकरण को प्रोत्साहित करेगा, लॉजिस्टिक लागत को कम करेगा और ईवी एवं बैटरी मूल्य श्रृंखलाओं में हरित रोजगार सृजित करेगा।

रोजगार मेले में आज 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र देंगे मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 16 वें रोज़गार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि मोदी इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। रोज़गार मेला रोज़गार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोज़गार मेला युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

'अस्त्र' मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को ओडिशा अपतटीय क्षेत्र में सुखोई-30 एमके-आई विमान से मिसाइल 'अस्त्र' का सफल परीक्षण किया जो हवा से हवा में मार कर सकती है। यह मिसाइल दृश्य सीमा से परे सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। मिसाइल की मारक क्षमता 100 किलोमीटर से अधिक है और यह अत्याधुनिक दिशा-निर्देशन प्रणाली से सुसज्जित है।

ट्रंप ने कनाडा से आने वाले सामान पर शुल्क 35 प्रतिशत करने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को एक पत्र में कहा कि वह कनाडा से आयातित वस्तुओं पर शुल्क 35 प्रतिशत करने जा रहे हैं। अमेरिका के इस कदम से दो करीबी साझेदार देशों के बीच दशकों पुराने संबंधों में और दरार आ सकती है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को लिखे गए एक पत्र में ट्रंप ने फरवरी में घोषित 25 प्रतिशत शुल्क को और बढ़ाने का निर्णय लेने का जिक्र किया। यह कदम कथित रूप से कनाडा पर 'फेंटानायल' की तस्करी पर रोक लगाने के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। हालांकि अमेरिका में इस मादक पदार्थ की तस्करी में कनाडा की भूमिका सीमित मानी जाती है। नई शुल्क दरें एक अगस्त से लागू होंगी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्र में लिखा, ''मुझे यह भी उल्लेख करना चाहिए कि फेंटानायल की तस्करी ही हमारे लिए कनाडा के साथ एकमात्र चुनौती नहीं है। कनाडा कई प्रकार की शुल्क और गैर-शुल्क नीतियां अपनाए हुए है तथा व्यापारिक अड़चनें भी हैं।''

ट्रंप के पत्र से कुछ घंटे पहले कार्नी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर के साथ अपनी एक तस्वीर 'एक्स' पर साझा की और लिखा, ''वैश्विक व्यापारिक चुनौतियों के बीच, विश्व अब कनाडा जैसे भरोसेमंद आर्थिक साझेदारों की ओर देख रहा है।''

टेस्ला की भारतीय बाजार में दस्तक

मुंबई में खोलेगी स्टोर

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया की दिग्गज इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता टेस्ला अगले हफ्ते मुंबई के बांद्रा कुर्ला परिसर में अपना पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' खोलेगी। कंपनी इसके उद्घाटन के साथ भारतीय बाजार में औपचारिक रूप से प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। जाने-माने उद्योगपति एलन मस्क के नेतृत्व वाली इस कंपनी ने 15 जुलाई को होने वाले उद्घाटन समारोह को 'भारत में टेस्ला की शुरुआत' के रूप में पेश करते हुए चुनिंदा आमंत्रण भेजे हैं। इस बारे में फिलहाल टेस्ला से टिप्पणी नहीं मिल पायी है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, ऑस्टिन स्थित कंपनी ने अपने चीन स्थित संयंत्र से कारों की पहली खेप 'मॉडल वाई' रियर-व्हील ड्राइव एसयूवी पहले ही बाजार में उतार दी है। टेस्ला इंडिया ने पिछले महीने मुंबई के लोढ़ा लॉजिस्टिक पार्क में 24,565 वर्ग फुट के गोदाम क्षेत्र को पांच साल की अवधि के लिए पट्टे पर लिया था। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने जून में कहा था कि इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी भारत में कारों के विनिर्माण में रुचि नहीं रखती, बल्कि देश में शोरूम स्थापित करने की इच्छुक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर टेस्ला भारत के शुल्क से बचने के लिए भारत में कारखाना लगाती है, तो यह अमेरिका के लिए 'अनुचित' होगा।

यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर पर रूस का ड्रोन से हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- रूस द्वारा हाल ही में यूक्रेनी शहरों पर लंबी दूरी तक मार करने वाले शाहेद ड्रोन से हमलों में तेजी आई है।
- इन हमलों में अक्सर बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल के साथ-साथ शक्तिशाली ग्लाइड बम भी शामिल होते हैं।

कीव/एपी। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में शुक्रवार को रूसी ड्रोन हमले में नौ लोग घायल हो गए और एक प्रसूति अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

खारकीव के मेयर इगोर तेरेखोव ने टेलीग्राम पर लिखा, ''नवजात शिशुओं वाली माताओं को एक अलग चिकित्सा केंद्र में ले जाया जा रहा है। उन्होंने यह नहीं बताया कि घायलों में अस्पताल का कोई व्यक्ति भी शामिल है या नहीं।

रूस द्वारा हाल ही में यूक्रेनी

शहरों पर लंबी दूरी तक मार करने वाले शाहेद ड्रोन से हमलों में तेजी आई है। इन हमलों में अक्सर बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल के साथ-साथ शक्तिशाली ग्लाइड बम भी शामिल होते हैं। इन घटनाओं ने तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध के बाद यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के प्रयासों को एक बार फिर अत्यंत आवश्यक बना दिया है।

खारकीव पर बमबारी के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन में कहीं शांति नहीं है।'' यूक्रेनी राजधानी कीव सहित देश के कई अन्य क्षेत्रों को हाल के सप्ताह में लगातार ड्रोन हमलों का सामना करना पड़ा है।

इजराइल का मानना है कि

संवर्धित यूरेनियम के भंडार तक पहुंच सकता है ईरान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। इजराइल का मानना है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के जिन परमाणु केन्द्रों पर हमला किया था उनमें से एक में गहराई में दबे संवर्धित यूरेनियम के भंडार तक अभी भी ईरान पहुंच सकता है। इजराइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

वहीं जिस एजेंसी ने दो अन्य परमाणु स्थलों पर गिराए गए अमेरिकी ''बंकर बस्टर'' बमों का निर्माण किया था उसने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अभी भी डेटा का इंतजार कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये बम लक्ष्यों को भेद पाए या नहीं। दोनों घटनाक्रम पिछले महीने किए गए हमलों में हुए नुकसान पर अलग-अलग राय रखते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बात पर कायम हैं कि अमेरिकी हमलों ने ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों को ''नष्ट'' कर दिया है। वहीं अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी ने एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा है कि हमलों से फोर्दो, नतांज और इस्फहान परमाणु केन्द्रों को काफ़ी नुकसान पहुंचा है लेकिन वे नष्ट नहीं हुए हैं।

'नकदी भरे बैग' के साथ वीडियो वायरल होने के बाद शिवसेना के मंत्री बोले-बैग में सिर्फ कपड़े थे

मुंबई/भाषा। एक कमरे में नोट की गड्डियों जैसी चीज से भरे और आंशिक रूप से खुले बैग के साथ बैठे महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट का एक वीडियो शुक्रवार को वायरल हुआ जिसके बाद उन्होंने बैग में रुपए होने के दावों को खारिज करते हुए कहा कि इसमें केवल कपड़े थे। वीडियो पोस्ट करने वाले शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इसका संज्ञान लेना चाहिए। राउत ने पोस्ट में कहा, ''मुझे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तरस आ रहा है! वह और कितनी बार यूं ही बैठे-बैठे अपनी प्रतिष्ठा को तार-तार होते देखेंगे? बेबसी का दूसरा नाम है : फडणवीस!'' मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए शिरसाट ने कहा, ''वीडियो में दिख रहा घर मेरा घर है। इसमें दिख रहा है कि मैं अपने बेडरूम में बनियान पहनकर बैठा हूं। मेरा पालतू कुत्ता और एक बैग भी दिख रहा है। इसका मतलब है कि मैं अभी-अभी यात्रा से लौटा हूं और कपड़े उतारे हैं। अगर मुझे पैसों से भरे इतने बड़े बैग को रखना होगा, तो क्या आलमारियों की कमी है?''

भाजपा ने टी.राजा सिंह का इस्तीफा किया स्वीकार, आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना के अपने विधायक टी राजा सिंह का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। पार्टी ने राजा सिंह के आरोपों को अप्रासंगिक बताते हुए खारिज कर दिया है। राजा सिंह ने भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष के चयन की आलोचना करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष के रूप में एन रामचंदर राव की संभावित नियुक्ति से नाराज राजा सिंह ने 30 जून को तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को पत्र लिखा था। राजा सिंह ने अपने पत्र में कहा था कि यह निर्णय पार्टी के लाखों सदस्यों के लिए बेहद हैरान करने वाला और निराशाजनक है और इसे उनका त्यागपत्र माना जाना चाहिए। इसके कुछ घंटों बाद ही रेड्डी के स्थान पर राव को प्रदेश अध्यक्ष चुन लिया गया। गोशामहल से विधायक राजा को भेजे पत्र में भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने बताया कि उनका पत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के संज्ञान में लाया गया है। अरुण सिंह ने विधायक से कहा, ''आपके द्वारा उल्लिखित विषयवस्तु अप्रासंगिक है तथा पार्टी की कार्यप्रणाली, विचारधारा और सिद्धांतों से मेल नहीं खाती।''

धरोहर स्थल का दर्जा देने के लिए यूनेस्को मराठा शासकों के किलों का मूल्यांकन करेगा

नई दिल्ली/भाषा। मराठा शासकों द्वारा परिकल्पित असाधारण किलेबंदी और सैन्य प्रणाली का प्रतिनिधित्व करने वाले सैन्य दुर्ग दुनिया भर से प्राप्त उन 30 नामांकनों में से एक हैं, जिनका मूल्यांकन विश्व धरोहर समिति के मौजूदा सत्र के दौरान यूनेस्को धरोहर अभिलेखन के लिए किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, दो मौजूदा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की ''सीमाओं में महत्वपूर्ण संशोधनों'' के लिए उनकी समीक्षा की जाएगी। डब्ल्यूएचसी का 47वां सत्र 6 से 16 जुलाई तक पेरिस में आयोजित किया जा रहा है। ग्यारह से 13 जुलाई तक विभिन्न देशों से प्राप्त नामांकनों के आधार पर कुल 32 स्थलों की समीक्षा की जाएगी। मूल्यांकन प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हुई, जिसमें कैमरून के नामांकन - मंदारा पर्वत के डिय-गिड-बिय सांस्कृतिक स्थल, मलावी का माउंट मुलंजे सांस्कृतिक स्थल (एमएमसीएल) और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का फाया पैलियोलैंडस्केप को डब्ल्यूएचसी द्वारा चुना गया है।

मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर भोर घाट के निकट मालगाड़ी पटरी से उतरी

मुंबई/भाषा। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर भोरघाट में मंकी हिल के निकट शुक्रवार दोपहर एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मध्य रेलवे (सीआर) के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ है और पुणे जाने वाली दो ट्रेन रुकी हुई हैं। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नील ने बताया कि पर्वतीय भोरघाट रेल खंड में मंकी हिल हॉल्ट स्टेशन के निकट अपराह्न करीब 2 बजे मालगाड़ी का 'ब्रेक वैन' (गार्ड का डिब्बा) पटरी से उतर गया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस घटना में ''किसी के घायल होने की सूचना नहीं है''।

महाराष्ट्र में धार्मिक स्थलों से 3300 से अधिक लाउडस्पीकर हटाए गए : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को विधानसभा को सूचित किया कि ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश लगाने के ठोस प्रयास के तहत राज्य के धार्मिक स्थलों से कुल 3,367 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस ने अकेले मुंबई में ही धार्मिक स्थलों से 1,608 लाउडस्पीकर हटाएं हैं और यह उपलब्धि बिना किसी धार्मिक या सांप्रदायिक तनाव के हासिल की गई है। उन्होंने कहा, ''मुंबई अब सभी धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर से मुक्त है।''

फडणवीस ने चेतावनी दी कि सक्षम प्राधिकार की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर दोबारा लगाए जाने पर स्थानीय पुलिस थाने के अधिकारी जिम्मेदार ठहराये जाएंगे।

उन्होंने सदन को सूचित किया, ''कानून का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएंगे। स्थिति पर नजर रखने के लिए प्रत्येक पुलिस आयुक्त के अधीन उड़न दस्ते गठित किए जाएंगे।'' विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान कई विधायकों ने यह मामला उठाया था।

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने स्थानीय समुदायों पर ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव की चिंता जताई, जबकि उनकी सहयोगी विधायक देवयानी फरांडे ने उच्च ध्वनि वाले स्पीकर पर साल भर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक जितेंद्र अव्हाड ने येऊर वन क्षेत्र में ध्वनि प्रदूषण को लेकर चिंता जताते हुए वन्यजीवों पर इसके असर का उल्लेख किया।

फडणवीस ने जवाब में कहा, ''वन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के संगीत वाद्ययंत्र या लाउडस्पीकर की अनुमति नहीं होगी। वन विभाग और पुलिस को इसे सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया गया है।''

फास्टैग ठीक से न लगाने पर चालकों को एनएचएआई काली सूची में डालेगा

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के एनएचएआई ने शुक्रवार को कहा कि वाहनों की विंडस्क्रीन पर सही ढंग से फास्टैग न लगाने वाले चालकों को काली सूची में डालने से जुड़ी प्रक्रिया को मजबूत किया है।

एनएचएआई ने फास्टैग को ठीक से न लगाने यानी 'लूज फास्टैग' की वजह से सुचारू टोल संचालन में आने वाली परेशानियों का कम करने के लिए यह कदम उठाया है।

'लूज फास्टैग' का मतलब ऐसे फास्टैग से है जो वाहन की विंडस्क्रीन पर सही तरीके से चिपकाया नहीं गया है, बल्कि चालक के पास हाथ में है या किसी ऐसी जगह पर रखा गया है जहां से उसे आसानी से स्कैन नहीं किया जा सकता है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक बयान में कहा कि वार्षिक पास प्रणाली और मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोलिंग जैसी आगामी पहलों को देखते हुए, फास्टैग की प्रामाणिकता और प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए 'लूज फास्टैग' मुद्दे को हल करना अहम है।

प्राधिकरण ने कहा, एनएचएआई ने टोल संग्रह एजेंसियों और उपयोगकर्ताओं के लिए 'लूज फास्टैग' की तत्काल सूचना देने और काली सूची में डालने की अपनी नीति को और सुव्यवस्थित किया है।

मान ने विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया के बाद कहा,

क्या उन्हें विदेश नीति के बारे में पूछने का हक नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं की आलोचना को विदेश मंत्रालय द्वारा ''गैर जिम्मेदाराना'' करार दिये जाने के एक दिन बाद, शुक्रवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि क्या उन्हें विदेश नीति के बारे में सवाल पूछने का अधिकार नहीं है। उन्होंने फिर से कहा कि प्रधानमंत्री के पास विदेश दौरे के लिए तो समय है, लेकिन 140 करोड़ भारतीयों की चिंताओं को दूर करने के लिए उनके पास वक्त नहीं है। विदेश मंत्रालय ने मोदी की विदेश यात्राओं की मान द्वारा की गई आलोचना को बृहस्पतिवार को गैर-जिम्मेदाराना करार दिया था।

मान का नाम लिए बिना मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ''राज्य के एक उच्च पदाधिकारी'' द्वारा की गई उन अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है, जिसमें मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों की अनदेखी की गई है। विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए मान ने शुक्रवार को कहा, ''क्या मुझे विदेश नीति के बारे में सवाल करने का अधिकार नहीं है कि आप वहां क्या करने जा रहे हैं? आपने वहां क्या किया है? हमें बताएं। क्या हमें अधिकार नहीं है?''

मान ने कहा, ''मैंने विदेश नीति के बारे में जानना चाहा कि आप जहां भी जाते हैं, अदाणी का कारोबार वहीं क्यों शुरू होता है? इसका मतलब है कि वह उन्हें वहां ले जाते हैं। आप यह क्यों नहीं स्वीकार करते कि आप वहां किसी का कारोबार कराने जाते हैं? क्या हमें पूछने का अधिकार नहीं है? हम पूछेंगे। मैं आगे भी उनसे पूछूंगा।'' उन्होंने कहा, ''क्या हम प्रधानमंत्री से यह नहीं पूछ सकते कि आप वहां क्यों गए थे और उनके साथ क्या समझौता हुआ था? जब पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते खराब हुए, तो क्या कोई देश हमारे साथ खड़ा हुआ? कोई भी खड़ा नहीं हुआ। लेकिन मोदी साहब पूरी दुनिया घूमे। मैग्रीशिया, तर्वेशिया... पता नहीं ये कौन से देश हैं। हमें तो उनके नाम भी नहीं मालूम और वह वहां चले जाते हैं।''

मध्यप्रदेश के गांधी सागर अभयारण्य में दुर्लभ स्याहगोश देखा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के गांधी सागर अभयारण्य में एक दुर्लभ स्याहगोश (एक विशेष प्रकार की जंगली बिल्ली) देखी गई है। यहां चीतों को उन्हें फिर से बसाने के कार्यक्रम के तहत हाल ही में स्थानांतरित किया गया है। एक वन अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि कैराकल अभयारण्य में एक कैमरा ट्रैप में देखा गया, जिसे स्थानीय रूप से स्याहगोश के नाम से जाना जाता है।

वन अधिकारियों ने एक बयान में कहा, यह एक शर्मीला, तेज़ दौड़ने वाला और आमतौर पर रात में घूमने वाला मांसाहारी जानवर है जो मुख्य रूप से सूखे, झाड़ीदार, पथरीले और खुले घास वाले इलाकों में पाया जाता है। भारत में, इस प्रजाति को अब लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है, और इसकी उपस्थिति बहुत दुर्लभ मानी जाती है। गांधी सागर अभयारण्य के एक वन अधिकारी के अनुसार, मंदसौर वन प्रभाग में लगाए गए एक कैमरा ट्रैप में एक वयस्क नर स्याहगोश की उपस्थिति दर्ज की गई है और यह दृश्य जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। अधिकारी ने कहा, यह अभयारण्य में संरक्षित प्रवासों की गुणवत्ता और संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। उन्होंने कहा कि स्याहगोश की उपस्थिति दर्शाती है कि गांधी सागर का शुष्क और अर्ध-शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र अभी भी अक्षुण्ण है और ये प्रणालियां अभी भी इतनी समृद्ध और संतुलित हैं कि वे स्याहगोश जैसी दुर्लभ प्रजाति को आश्रय प्रदान कर सकती हैं। अधिकारी ने कहा कि कई वर्षों के बाद, मध्यप्रदेश के किसी संरक्षित क्षेत्र में स्याहगोश की उपस्थिति की पुष्टि हुई है, जो राज्य के लिए गर्व की बात है।

अधिकारी ने बताया, यह खोज न केवल वन्यजीव अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि हमारे संरक्षण प्रयासों की सफलता का भी प्रमाण है। वन विभाग और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य के अधिकारियों और कर्मचारियों के विशेष प्रयासों से विविध पारिस्थितिकी का संरक्षण हुआ है, जिसके कारण आज यह अभयारण्य दुर्लभ प्रजातियों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल बन गया है।

इस वर्ष अप्रैल में, दो दक्षिण अफ्रीकी चीते - प्रभाष और पावक - अभयारण्य के बसीगांव खेमला में छोड़े गए थे।

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक, श्रीराम फाइनेंस पर जुर्माना लगाया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने ग्राहक को ऋण देते समय भारत में विदेशी निवेश से संबंधित कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक पर 4.88 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने 'भारतीय रिजर्व बैंक (डिजिटल ऋण) निर्देश, 2025' के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के लिए गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड पर भी 2.70 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

एचडीएफसी बैंक पर जुर्माने के संबंध में आरबीआई ने कहा कि उसने बैंक को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया था, जिसके जवाब में बैंक ने लिखित उत्तर और मौखिक रूप से भी स्पष्टीकरण दिया था। आरबीआई ने कहा, मामले के तथ्यों और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा दिए गए जवाब पर विचार करने के बाद, भारतीय रिजर्व बैंक इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उल्लंघन सिद्ध हो गए हैं और जुर्माना लगाना उचित है। आरबीआई द्वारा 31 मार्च, 2024 तक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में श्रीराम फाइनेंस का वैधानिक निरीक्षण किया गया था। केंद्रीय बैंक के निर्देशों का पालन न करने के पर्यवेक्षी निष्कर्षों और उस संबंध में संबंधित पत्राचार के आधार पर, कंपनी को एक नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में उसे कारण बताने के लिए कहा गया था कि उक्त निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए।

दिल्ली के बाड़ा हिंदूराव इलाके में तीन मंजिला इमारत ढही, एक व्यक्ति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के बाड़ा हिंदूराव इलाके में शुक्रवार तड़के तीन मंजिला वाणिज्यिक इमारत ढहने से 46 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने मृतक के परिवार के लिए पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की। मृतक की पहचान मनोज शर्मा (46) के रूप में हुई है जो इमारत में स्थित एक दुकान में काम करता था और ढही हुई इमारत के मलबे में दब गया था।

अधिकारी ने बताया कि शर्मा को मलबे से बाहर निकालकर हिंदू राव अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

घटनास्थल दिल्ली मेट्रो के जनकपुरी पश्चिम-आर.के. आश्रम मार्ग कॉरिडोर के लिए चल रहे सुरंग निर्माण कार्य के प्रभाव क्षेत्र में आता है। डीएमआरसी ने एक बयान में कहा, ''इलाके में सुरंग निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही इमारतों को असुरक्षित घोषित कर दिया गया था और डीएमआरसी ने उन्हें खाली करा लिया था।''

बयान में आगे कहा गया, ''दुर्भाग्य से इस अभियान के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई और डीएमआरसी ने मृतक के परिजनों के लिए पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है।''

जीएसटी खुफिया शाखा ने फर्जी चालान जारी करने वाली छह फर्जी कंपनियों का पता लगाया

नई दिल्ली/भाषा। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़ी खुफिया शाखा डीजीजीआई ने राष्ट्रीय राजधानी में छह परिसरों की तलाशी लेने के साथ 266 करोड़ रुपए के फर्जी चालान और फर्जी कंपनियों से 48 करोड़ रुपए के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) भुनाने का खुलासा किया है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की बेंगलूरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने इस मामले की जांच शुरू की थी।

जांच से पता चला कि किसी व्यावसायिक गतिविधि के बगैर चार कंपनियों ने करोड़ों रुपए मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं की प्राप्ति दिखाई है। बयान के मुताबिक, डीजीजीआई की बेंगलूरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने दिल्ली में छह से ज्यादा परिसरों में तलाशी ली और 266 करोड़ रुपए से ज्यादा के फर्जी चालान बरामद किए। इनमें फर्जी कंपनियों से 48 करोड़ रुपए का फर्जी आईटीसी हासिल करना और उसे आगे बढ़ाना शामिल था।

कैंटीन कर्मी की पिटाई के बाद

शिवसेना विधायक गायकवाड़ ने एआईएमआईएम नेता जलील को पीटने की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। विधायक हॉस्टल की कैंटीन के कर्मी से मारपीट करने की वजह से चर्चा में आए शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने शुक्रवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) नेता इम्तियाज जलील की बुरी तरह पिटाई करने की धमकी दी।

गायकवाड़ की यह टिप्पणी जलील द्वारा कैंटीन कर्मचारी पर हमला करने के लिए उनकी आलोचना करने के बाद आई है। जलील ने भी गायकवाड़ पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने शिवसेना विधायक की चुनौती स्वीकार कर ली है और उनसे स्थान और समय बताने को कहा। बुलढाणा विधानसभा क्षेत्र से विधायक गायकवाड़, 'बासी खाना' परोसने पर कैंटीन के कर्मचारी की पिटाई करने के कारण विवादों में हैं। विधायक ने मंगलवार रात दक्षिण मुंबई स्थित आकाशवाणी विधायक हॉस्टल कैंटीन से रात का खाना मंगाया था और उनके कमरे में जो दाल-चावल पहुंचाया गया, वह कथित तौर पर बासी था और उसमें से बदबू आ रही थी। इससे नाराज विधायक कैंटीन में घुस गए और एक कर्मचारी को दाल का एक पैकेट सूंघने के लिए मजबूर किया और फिर उसे थप्पड़ जड़ दिया। घटना का एक वीडियो वायरल हो गया, जिसकी विपक्ष और सरकार दोनों ने व्यापक निंदा की। एआईएमआईएम के पूर्व सांसद जलील ने गायकवाड़ की आलोचना करते हुए कहा कि एक गरीब व्यक्ति की इस तरह से पिटाई करना ठीक नहीं है।

'सीआईएमएमवाईटी' के वित्तपोषण की कमी को पूरा करे भारत सरकार : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा कि भारत में हरित क्रांति को कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संगठन 'अंतरराष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केंद्र' (सीआईएमएमवाईटी) के वित्तपोषण की कमी को पूरा करना चाहिए क्योंकि ऐसा करना न केवल राष्ट्रीय हित में होगा, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' के उद्देश्य को भी आगे बढ़ाएगा। सीआईएमएमवाईटी मेक्सिको स्थित एक गैर-लाभकारी अनुसंधान संगठन है। यह मक्का और गेहूं की पैदावार बढ़ाने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

पूर्व पर्यावरण मंत्री ने 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया कि सीआईएमएमवाईटी भारत सरकार और निजी क्षेत्र से संपर्क कर रहा है तथा दुनिया के एक चौथाई से अधिक फसली क्षेत्र को कवर करने वाले दो अनाजों में अपने अनुसंधान और विकास कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहायता मांग रहा है। रमेश ने कहा, ''सीआईएमएमवाईटी ने लंबे समय से भारत में हरित क्रांति को उत्प्रेरित करने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि इस संस्थान ने 1960 के दशक के मध्य में गेहूं की दो किस्मों से भारतीय कृषि में बदलाव की शुरुआत की और 'आईसीएआर' वैज्ञानिकों को गेहूं की नई किस्में विकसित करने के लिए सामग्री प्रदान की।

राहुल, खरगे का आरोपः महाराष्ट्र के बाद बिहार में चुनाव 'चोरी करने' की फिराक में भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर छिड़े विवाद के बीच शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महाराष्ट्र की तरह बिहार में भी आगामी विधानसभा चुनाव को ''चोरी करने'' का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में इस प्रयास को 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के घटक दलों द्वारा विफल किया जाएगा।

कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं ने यहां 'संविधान बचाओ समावेश' कार्यक्रम को संबोधित किया और जनता का आह्वान किया कि वे ओडिशा में ''जल, जंगल, जमीन'' छीनने वाली सरकार को सत्ता से बेदखल करें। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ''महाराष्ट्र की तरह, बिहार में भी चुनाव को चोरी करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा पूरे देश में हमारे संविधान पर हमला कर रही है।'' उन्होंने दावा किया कि 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में घटक दलों ने, बिहार में भाजपा को चुनाव की ''चोरी करने'' से रोकने का फैसला किया है। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग भाजपा के हित में काम कर रहा है और अपना कर्तव्य नहीं निभा रहा है। खरगे ने पुनरीक्षण मामले का हवाला देते हुए कहा कि लोगों मतदान के अधिकार को छीनने का प्रयास हो रही है कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''महाराष्ट्र में जो सरकार बनाई है वह चोरी (से) और चोरों की सरकार है। 85 लाख वोट को बदलकर वहां भाजपा ने सरकार बनाई। आज वही कोशिश बिहार में हो रही है। बिहार में सात करोड़ मदाताओं में से दो करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं।'' उन्होंने लोगों से सवाल किया, ''क्या सत्ता में ऐसे लोग चाहिए, क्या इससे लोकतंत्र बचेगा?'' खरगे ने कहा कि ऐसे गद्दारों को सत्ता से निकाल देना चाहिए, उन्हें सबक सिखाना चाहिए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, भाजपा पांच-छह पूंजीपतियों के लिए सरकार चलाती है। यह देश के आम लोगों के लिए काम नहीं करती। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ''जल, जंगल, जमीन'' आदिवासियों के हैं और उनके ही रहेंगे।

देहरादून जिले के त्यूणी में 125 किलोग्राम डायनामाइट बरामद

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड में पंचायत चुनाव से पहले देहरादून जिले के त्यूणी में पुलिस ने 125 किलोग्राम डायनामाइट बरामद कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने बताया कि त्यूणी में पुलिस ने बृहस्पतिवार को हिमाचल प्रदेश के पंजीकरण नंबर वाली एक ऑल्टो कार को जांच के लिए रोका। उन्होंने बताया कि गाड़ी की तलाशी के दौरान उसमें पांच पेटियों में रखा 125 किलोग्राम डायनामाइट बरामद किया गया। अधिकारी ने बताया कि कार में सवार लोग विस्फोटक पदार्थ के वैध होने का आवश्यक दस्तावेज नहीं दिखा पाए, जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि विस्फोटक अधिनियम 1884 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हिमाचल प्रदेश में शिमला के रहने वाले रिंकू (37) व सुनील (38) और सिरमौर के रहने वाले रोहित (19) के रूप में हुई है।

बेंगलूरु नगर निकाय की आवारा कुत्तों को 'चिकन', चावल खिलाने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देशभर में कुत्तों के बढ़ते हमलों के बीच वृहद बेंगलूरु महानगरपालिका (बीबीएमपी) ने शहर के सभी आठ जोन में लगभग 4,000 आवारा कुत्तों को 'चिकन' और चावल खिलाने का निर्णय लिया है, जिसकी अनुमानित लागत 2.8 लाख रुपये होगी। बीबीएमपी के निविदा दस्तावेज के अनुसार, नगर निकाय प्रत्येक जोन में लगभग 440 कुत्तों को भोजन देने की योजना बना रहा है। इसमें बताया गया है कि प्रतिदिन सुबह लगभग 11 बजे निर्धारित स्थलों पर लगभग 750 कैलोरी वाला 400 ग्राम चिकन और चावल परोसा जाएगा।

नगर निकाय के इस अभूतपूर्व कदम को लेकर बेंगलूरु वासियों की मिली जुली प्रतिक्रिया है। सोशल मीडिया पर मीम्स और चुटकुलों की बाढ़ आ गई है, जिनमें से कई ''उत्तर-दक्षिण विभाजन'', भाषाई राजनीति, खराब सड़कें और यातायात जैसे विषयों पर आधारित हैं। पिछले छह साल से हर दिन बेंगलूरु विश्वविद्यालय परिसर से सटे भारतीय सांख्यिकी संस्थान के परिसर में आसपास रह रहे बंदरों और कुत्तों को खाना खिलाने वाले 37-वर्षीय प्रभु ने बीबीएमपी के इस कदम पर खुशी जताई है। प्रभु ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''कुत्तों के आक्रामक व्यवहार को नियंत्रित करने के लिए यह एक बेहतरीन कदम है और मेरे जैसे लोगों के लिए बहुत बड़ी राहत है जो अपनी जेब से खर्च करते हैं। मैं कुत्तों के लिए चिकन और चावल पर रोजाना लगभग 2,500 रुपये खर्च करता हूं, और बंदरों तथा गायों को खिलाने के लिए 50 किलो केलों पर 2,000 रुपये और खर्च करता हूं।'' प्रभु कुत्तों को खाना खिलाने के लिए रात होने का इंतजार करते हैं, क्योंकि पड़ोसी उनके द्वारा आवारा

कुत्तों को खाना खिलाने पर आपत्ति जताते हैं और गुस्सा दिखाते हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक उपयोगकर्ता करण गौड़ा ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी की, ''बेंगलूरु के आवारा कुत्ते उत्तर भारतीयों से ज्यादा प्रोटीन खाते हैं।'' उनके इस पोस्ट को 15 घंटे में लगभग 1,12,000 बार देखा गया। एक अन्य उपयोगकर्ता लॉर्ड इम्मी कांट ने तंज कसते हुए लिखा, ''बेंगलूरु में रोज़ाना आवारा कुत्तों को चिकन और चावल खिलाने की खबर देखने के बाद, पूरे भारत के आवारा कुत्ते बेंगलूरु में बसने की योजना बना रहे हैं। उनके लिए भाषा की कोई समस्या नहीं होगी।''

चेतन सुब्बैया ने एक पिल्ले की तस्वीर पोस्ट की, ''जो गड्ढे में भरे पानी में लेटा हुआ था। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, बेंगलूरु का कुत्ता चिकन चावल और अंडा चावल से पेट भरने के बाद जकूजी (एक प्रकार का बाथटब) में आराम कर रहा है।'' बहरहाल, बीबीएमपी के फैसले का हर किसी ने समर्थन नहीं किया। तमिलनाडु के पड़ोसी जिले शिवगंगा से कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्होंने बीबीएमपी की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, ''उन्हें (कुत्तों को) ऐसे आश्रय स्थलों में ले जाना चाहिए, जहां उन्हें खाना मिले, उनका टीकाकरण और नसबंदी की जा सके। उन्हें सड़कों पर घूमते हुए खाना खिलाना स्वास्थ्य और सुरक्षा की दृष्टि से बड़ा खतरा है।''

चिदंबरम की टिप्पणियों का विरोध करते हुए, कर्नाटक कांग्रेस महासचिव लावण्या बल्लाल जैन ने लोगों से ''एक कुत्ता गोद लेने'' की अपील की। बीबीएमपी के विशेष आयुक्त (स्वास्थ्य एवं स्वच्छता) सुरालकर विकास किशोर ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि आवारा पशुओं को खाना खिलाने को अलग नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका व्यापक उद्देश्य 2030 तक रेबीज का उन्मूलन करना है। उन्होंने कहा, ''हम जन्म नियंत्रण और टीकाकरण जैसे अन्य उपाय भी साथ-साथ कर रहे हैं। आवारा पशुओं को खाना खिलाना इस रणनीति का एक हिस्सा है।''

उन्होंने कहा कि लगातार भोजन देने से अंततः आक्रामक कुत्तों के रूप में चिह्नित कुत्तों तक पहुंच आसान हो जाएगी। किशोर ने कहा कि बीबीएमपी उन्हें टीकाकरण या जन्म नियंत्रण सर्जरी के लिए आसानी से पकड़ सकती है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को दी अंतरिम राहत

मानहानि याचिका में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को एक मानहानि मामले में राहत दी है। कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई की ओर से दायर आपराधिक मानहानि मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह मामला 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस की तरफ से प्रकाशित करप्शन रेट कार्ड विज्ञापन और कथित तौर पर झूठे प्रचार से जुड़ा है, जिसमें तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष सिद्दरामय्या, डी.के. शिवकुमार (केपीसीसी के अध्यक्ष होने के नाते) और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भाजपा की छवि खराब करने का आरोप लगाया गया था। हाईकोर्ट के जज जस्टिस एस.आर. कृष्ण कुमार ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी की दलीलें सुनने के बाद यह अंतरिम आदेश जारी किया। कोर्ट ने प्रतिवादी को नोटिस जारी किया और ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी।

शेट्टी ने कोर्ट को बताया कि यह वही मामला है, जिसमें पहले डी.के. शिवकुमार और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) को 4 जुलाई को हाईकोर्ट से राहत मिल चुकी है। इसके अलावा, इसी मामले में इस साल जनवरी में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भी ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी।

भाजपा की शिकायत कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय अखबारों में प्रकाशित करप्शन रेट कार्ड विज्ञापन और 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के झूठे प्रचार के खिलाफ है। भाजपा का दावा है कि इन विज्ञापनों में लगाए आरोप झूठे थे। भाजपा ने इसे 'काल्पनिक' और 'झूठा' बताते हुए कहा कि इससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा।

साथ ही, विज्ञापनों में 'डबल इंजन सरकार' की जगह 'ट्रबल इंजन सरकार' शब्द का इस्तेमाल कर भाजपा की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने और चुनाव में उनकी संभावनाओं को प्रभावित करने की कोशिश की गई।

ट्रायल कोर्ट ने 2023 में इस मामले का संज्ञान लिया था, लेकिन अब हाईकोर्ट के इस अंतरिम आदेश से सिद्दरामय्या को राहत मिली है। इस बीच, सिद्दरामय्या की एक अन्य याचिका, जिसमें उन्होंने एमयूडीए मामले में उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी को चुनौती दी है, की सुनवाई सितंबर में होगी।

शुभारंभ

शुक्रवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे के चिक्कमगलपरु रेलवे स्टेशन पर चिक्कमगलपरु-तिरूपति साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए केन्द्रीय मंत्री वी. सोमन्ना। इस मौके पर सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी, विधान परिषद सदस्य सीटी रवि सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कर्नाटक में बोर्ड और निगमों में रिक्त पदों पर नियुक्तियों पर फैसला 16 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य के विभिन्न बोर्ड और निगमों के शेष सदस्यों की नियुक्ति पर अंतिम निर्णय 16 जुलाई को बेंगलूरु में लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला नामों को अंतिम रूप देने से पहले विस्तृत चर्चा के लिए 16 जुलाई को राज्य का दौरा करेंगे।

उन्होंने कहा कि सुरजेवाला के साथ बृहस्पतिवार को पहले दौर की चर्चा सार्थक रही। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार भी बैठक में मौजूद थे। राष्ट्रीय राजधानी से रवाना होने से पहले सिद्दरामय्या ने कहा, सुरजेवाला 16 जुलाई को बेंगलूरु जाएंगे, इसके बाद हम सूची को अंतिम रूप देंगे। राज्य के विभिन्न बोर्ड और निगमों में अधिकांश शीर्ष पदों पर मुख्यतः विधायकों को नियुक्त किया जाता है, हालांकि विभिन्न स्तरों पर पद खाली हैं और जारी भर्ती अभियानों के माध्यम से उन्हें भरा जा रहा है।

कर्नाटक सरकार ने एक जून, 2023 से 26 जनवरी, 2024 के बीच 42 विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को बोर्ड व निगमों के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया था। इन पदों पर नियुक्त व्यक्तियों को कैबिनेट रैंक और संबंधित लाभ प्रदान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री के स्पष्टीकरण के बाद नेतृत्व परिवर्तन पर बोलना उचित नहीं : डी के शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल के बारे में सिद्दरामय्या के स्पष्टीकरण के बाद नेतृत्व परिवर्तन पर बोलना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा था कि वह पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। शिवकुमार ने नयी दिल्ली से लौटने के बाद बेंगलूरु हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, ''मुख्यमंत्री पहले ही आपके सभी सवालों का जवाब दे चुके हैं। मेरे लिए उसे दोहराते रहना उचित नहीं है, और आपके लिए भी पूछते रहना उचित नहीं है।''

सिद्दरामय्या और शिवकुमार दोनों इस सप्ताह की शुरुआत में कांग्रेस आलाकमान से मिलने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में थे। शिवकुमार ने इन अटकलों को खारिज किया कि बातचीत सत्ता-साझाकरण व्यवस्था के बारे में थी। उन्होंने कहा, ''जब हम नहीं घबरा रहे हैं, तो आप (पत्रकारों की ओर इशारा करते हुए) हमारे आंतरिक मामलों को लेकर क्यों घबरा रहे हैं?'' मई 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच प्रतिस्पर्धा थी। उस समय खबरों में कहा गया था कि वे बारी-बारी से ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनने के फॉर्मूले पर सहमत हुए हैं। हालांकि, पार्टी ने कभी भी इस तरह के समझौते की पुष्टि नहीं की।

मुख्यमंत्री पद को लेकर उनके लिए पार्टी के भीतर बढ़ते समर्थन के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, ''छोड़िए। आपमें से कई लोगों की भी आकांक्षाएं हैं।'' उन्होंने नेतृत्व परिवर्तन के बारे में सवालों पर और टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ''मैं इस समय आपके किसी भी सवाल का जवाब नहीं देने जा रहा हूं।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली दौरे के दौरान कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई।

शिवकुमार ने कहा, ''हमने बोर्ड और निगमों के अध्यक्षों और सदस्यों के रूप में पार्टी कार्यकर्ताओं की नियुक्तियों पर चर्चा की। चूंकि, सभी विधायकों ने अपनी राय दे दी है, हम अब अंतिम चरण में हैं। आलाकमान के साथ एक और दौर की चर्चा से नामों को अंतिम रूप देने में मदद मिलेगी।''

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि ''शीर्ष पद के लिए कोई रिक्ति'' नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नाटक के लिए पार्टी के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने किसी भी नेतृत्व परिवर्तन से स्पष्ट रूप से इनकार किया है और शिवकुमार ने भी यही बात कही है।

बेंगलूरु में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत पहली आरपीएल का शुभारंभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय ने आज बेंगलूरु के होटल रॉयल ऑर्किड सेंट्रल में आदि कर्मयोगी अभियान उत्तरदायी शासन कार्यक्रम की पहली क्षेत्रीय प्रक्रिया प्रयोगशाला (आरपीएल) का उद्घाटन किया। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के साथ जुड़ी इस पहल का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में उत्तरदायी शासन चलाने के लिए सुसज्जित 20 लाख से अधिक जनजातीय परिवर्तन नेताओं का एक राष्ट्रव्यापी कैडर तैयार करना है। इस कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी, दक्षिणी राज्यों के वरिष्ठ नौकरशाह और कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के नामित राज्य मास्टर प्रशिक्षक (एसएमटी) एक साथ आए।कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश ने इस

अभियान को जनजातीय शासन के एक नए प्रतिमान के निर्माण का एक ऐतिहासिक अवसर बताया जो जमीनी स्तर पर अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं और संस्थागत कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाता है। जनजातीय विकास बजट में लगातार वृद्धि को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि निरंतर अंतराल के लिए गहन स्थानीयकृत शासन तंत्र की आवश्यकता है, जिसे अंतर-विभागीय सहयोग और एसएमटी के नेतृत्व द्वारा सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने प्रशिक्षकों से आग्रह किया कि वे स्वयं को परिवर्तन के अग्रदूत और अग्रदूत के रूप में देखें, जो संरचित अभिसरण के माध्यम से जनजातीय समुदायों में परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सचिव ने दक्षिणी क्षेत्र के उत्तरदायी जनजातीय शासन के एक मॉडल के रूप में उभरने की क्षमता पर भी विश्वास व्यक्त किया। सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने जनजातीय विकास परिदृश्य में आदि कर्मयोगी अभियान की एक अत्यंत अद्वितीय और सामयिक हस्तक्षेप के रूप में सराहना की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि समावेशी विकास को बुनियादी ढाँचे से आगे बढ़कर भूमि अधिकार, आजीविका और शिक्षा सहित सभी बुनियादी मानव विकास संकेतकों को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ऐसे कार्यक्रम थोपे नहीं जा सकते - उन्हें जैविक, सांस्कृतिक रूप से निहित और स्थानीय स्तर पर प्रतिध्वनित होना चाहिए। मुख्य सचिव ने कर्नाटक के संस्थागत समर्थन का वचन दिया, जिसमें एसएमटी और डीएमटी की सहायता के लिए एसआईआरडी मैसूर, विस्तार प्रशिक्षण केंद्र और पंचायत-स्तरीय सुविधाओं जैसे प्रशिक्षण बुनियादी ढाँचे की पेशकश की गई।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं:
20 UBL 2025-26 दिनांक: 04.07.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: गदग, बेलगावी, वास्को-ड-गामा, विजयपुरा (बीजेपी) पर आरपीएफ महिलाओं / कर्मचारियों के लिए शौचालय का व्यवस्था।	रु. 44,35,421.00
2	हुबली विभाग: उगर खुर्द (यूजीआर) और शेडबाल (एसईडी) स्टेशनों के बीच लोंडा-मीरज (एलडी-एमआरजे) विभाग में किमी. 723/297 पर ब्रिज सं. 189 को आरसीसी बॉक्स ब्रिज से प्रस्तावित पुनर्वास / प्रतिस्थापन करना।	रु. 1,01,55,486.00
3	हुबली विभाग: लोंडा-मीरज (एलडी-एमआरजे): किमी. 553/400 से 557/200 और 579/200 से 579/409 के बीच ब्रिज सं. 86, 87, 88, 90, 91 और 34 पर नदी के फर्श के कारण पुल और तट के लिए सुरक्षा कार्य का प्रावधान।	रु. 8,55,13,339.00
4	हुबली विभाग: हुबली में विल्ली ग्राउंड पर बहुउद्देश्यीय सामुदायिक हॉल के निर्माण का प्रस्तावन।	रु. 3,58,28,153.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 04.08.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/समन्वय हुबली
PUB/281/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRAILWAYHQ sw_railways

कार्यकाल पूरा करने के सिद्दरामय्या के दावे के बाद मंत्रियों ने सत्ता साझा करने की चर्चा खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के मंत्रियों ने शुक्रवार को कहा कि सत्ता साझा करने और नेतृत्व परिवर्तन से जुड़ी अपुष्ट चर्चाओं का अब कोई महत्व नहीं रह गया है, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। मई 2023 में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से ही ऐसी अफवाहें थीं कि सिद्दरामय्या और उनके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच सत्ता साझा करने को लेकर समझौता हुआ है। कथित समझौते के अनुसार (जिसकी न तो कांग्रेस ने पुष्टि की और न ही खंडन किया) शुरुआती ढाई साल तक सिद्दरामय्या को मुख्यमंत्री रहना था और उसके बाद शिवकुमार को मुख्यमंत्री का पद संभालना था। हालांकि, सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को दृढ़ता के साथ कहा कि वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगे और मुख्यमंत्री का पद रिक्त नहीं' है।

राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि अगर पार्टी महासचिवों ने इस मुद्दे को पहले ही सुलझा लिया होता तो भ्रम की स्थिति से बचा जा सकता था। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें सत्ता साझा करने से संबंधित समझौते के बारे में कुछ नहीं पता। यह हमारे स्तर पर कभी नहीं आया। अगर यह मुद्दा हमारे सामने उठाया गया होता या कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उठाया गया होता-जिसमें हमारे महासचिव भी अक्सर शामिल होते हैं, तो शायद यह भ्रम की स्थिति पैदा नहीं होती।

लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने भी इसी तरह की राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अभी सत्ता-साझा करने के बारे में चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि खासकर शिवकुमार और उनके भाई पूर्व सांसद डी.के. सुरेश, दोनों ने कहा है कि यह पद खाली नहीं है। जारकीहोली ने कहा, अगर आप (पत्रकार) इस बात पर चर्चा शुरू करना चाहते हैं कि अगला मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए, तो आप ऐसा कर सकते हैं। हम आपको रोकेंगे नहीं। हमारे स्तर पर यह अध्याय बंद हो चुका है।

बेलगावी में महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि जब राज्य के वरिष्ठ नेता इस मुद्दे पर पहले ही बोल चुके हैं, तो उन्हें टिप्पणी करने की कोई जरूरत नहीं है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में हमने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक निशाना साधा : डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शुक्रवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमला किया और उनमें से एक भी निशाना नहीं चूका। डोभाल ने सीमा पार के खतरों को नाकाम करने में भारत की क्षमता और तकनीकी कौशल पर गौरवान्वित महसूस किया। उन्होंने कहा कि सटीकता इस स्तर की थी कि भारत को पता था कि कौन कहां है। उन्होंने कहा कि पूरा ऑपरेशन सात मई को रात एक बजे के बाद शुरू हुआ और मुश्किल से 23 मिनट तक जारी रहा।

आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में डोभाल ने कहा, ''इसके बाद उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने ऐसा किया, वगैरह वगैरह। क्या आप मुझे एक भी ऐसी तस्वीर दिखा सकते हैं, जिसमें दिखता हो कि भारत को इस दौरान कोई नुकसान हुआ है?'' पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। छात्रों को संबोधित करते हुए डोभाल ने कहा कि प्रौद्योगिकी और युद्ध के बीच अहम संबंध है और देश को अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करनी चाहिए। इससे पहले, पद्म विभूषण से सम्मानित और प्रख्यात नृत्यांगना पद्मा सुब्रह्मण्यम ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए उन्हें बधाई दी थी और छात्रों की तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया गया।

बैठक

शुक्रवार को बेंगलूरु में विधानसौधा के समिति हॉल में कृष्णा भाग्य जल निगम की 143वीं निदेशक मंडल बैठक और 30वीं वार्षिक आम बैठक मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मौके पर बैठक में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कैलेंडर का अनावरण किया

चेन्नई। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग ने 26 जून, 1975 को अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती समारोह जारी रखते हुए आज 11 जुलाई को दक्षिण संवाद का आयोजन किया। नई दिल्ली में भव्य उद्घाटन समारोह के बाद, क्षेत्रीय संवाद हैदराबाद के गाचीबोवली स्थित जीएमसी बालयोगी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया, जिसमें दक्षिणी राज्यों के सभी हितधारकों को एक साथ लाया गया। दक्षिण संवाद कार्यक्रम के दौरान, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूटीएन) के राजभाषा अनुभाग द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किए गए विशेष कैलेंडर का कोयला एवं खान संघ के अध्यक्ष श्री जी किशन रेड्डी ने अनावरण किया।

इस अनूठे कैलेंडर में तमिल में लिखे गए तिरुक्कुरल के दोहे और उनके हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में अनुवादित अर्थ शामिल हैं।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094541, 4178 फैक्स : 080-28094180
संक्षिप्त ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समूह प्रमुख, इस्ट्रैक, इसरो पीण्या, बेंगलूरु-58 द्वारा समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है। (फोन : 080-2809 4541,2809 4178)

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/ए.सी/ईटीएन-44 2025-2026 दिनांक 11.07.2025
कार्य का नाम	ईस्ट्रक, बेंगलूरु के एससीसी परिसर में मेघदूत बिल्डिंग, में एमयुएसटी के लिए रडार टेस्ट बेड सुविधा हेतु एयर कंडीशनिंग प्रदान करने का कार्य।
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 11.00 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	दो (02) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	12.07.2025 से 26.07.2025 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	13.07.2025 से 27.07.2025 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	28.07.2025 को 16.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	29.07.2025 को 16.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	30.07.2025 को 11.00 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 22,000/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

मेघवाल, मदन दिलावर ने देश के पहले राजकीय कन्या सैनिक विद्यालय का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राजस्थान में बीकानेर के जयमलसर में शुक्रवार को देश के पहले राजकीय बालिका सैनिक कन्या विद्यालय का लोकार्पण किया। इस रामीदेवी रामनारायण राठी बालिका सैनिक विद्यालय के लिए भामाशाह पूनमचंद राठी द्वारा 108 करोड़ रुपये राशि की भूमि और भवन शिक्षा विभाग को समर्पित की गयी है। इस अवसर पर मेघवाल ने कहा कि देश का पहला राजकीय बालिका सैनिक विद्यालय, जयमलसर में खुला है। यह सभी के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने इसके लिए भामाशाह परिवार का आभार जताया और कहा कि दानवीर लोगों का धन चलता रहता है, जो नदी के पानी की तरह मीठा होता है। तिजोरी में जमा धन, समाज के किसी काम नहीं आता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा संभाग स्तर पर सैनिक विद्यालय प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है, यह सराहनीय है। इससे बालिकाओं में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना जागृत होगी।

दिलावर ने कहा कि देश के पहले राजकीय सैनिक विद्यालय से हमारी बेटियां सैनिक शिक्षा प्राप्त करेंगी और सैन्य अधिकारी सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह की भांति देश की सेवा करते हुए राजस्थान और बीकानेर का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने कहा कि राठी परिवार द्वारा अपनी मेहनत से कमाया हुआ पैसा, इतने बड़े काम के लिए समर्पित किया है। इसे आने वाले समय में याद रखा जायेगा। दिलावर ने कहा कि राजस्थान वीरों, तपस्वियों, त्यागी और दानवीरों की धरती है। राठी परिवार ने दानवीर भामाशाह की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए इतना बड़ा काम किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के प्रति कृतसंकल्प है।

इस दिशा में ऐतिहासिक काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा में संस्कारों का समावेश होना जरूरी है। ऐसा होने पर नागरिकों में राष्ट्र के प्रति निष्ठा के भाव जागृत होते हैं। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि पूनम चंद राठी ने अपने पिता रामनारायण राठी की इच्छा पूरी करते हुए संभाग को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वप्न को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा साकार कर रहे हैं। राजकीय बालिका सैनिक विद्यालय इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने बताया कि राज्य के वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट में राज्य में सभी संभाग मुख्यालयों पर सैनिक विद्यालय स्थापित करने की घोषणा की गयी है, जिसकी सर्वप्रथम क्रियान्विति बीकानेर से हुई है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य बालिकाओं के आत्म सम्मान में वृद्धि, आत्मरक्षा के लिए तैयार करने के साथ, देश के प्रति सम्मान और सेवा का जज्बा पैदा करना है। जाट ने बताया कि ये विद्यालय पूर्णत: आवासीय होंगे और इनमें कक्षा छह से बारहवीं तक की बालिकाओं को प्रवेश दिया जायेगा।

आजादी के 78 साल बाद राजस्थान के एक गांव में आदिवासियों को मिली बिजली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। आजादी के 78 साल बाद राजस्थान के बारां जिले के एक सुदूर पहाड़ी इलाके में पहली बार बिजली का कनेक्शन पहुंचा है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक जिला मुख्यालय से 175 किलोमीटर दूर 40 घरों में रहने वाले सहरिया जनजाति के करीब 200 लोगों का बिजली के लिए लंबा इंतजार आखिरकार 30 जून को खत्म हो गया।

जिलाधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने बृहस्पतिवार को बताया कि अब बारां जिले के 100 प्रतिशत क्षेत्र में बिजली का कनेक्शन उपलब्ध हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले महीने रात्रि चौपाल के दौरान लोगों से शिकायत मिलने के 20-25 दिनों के भीतर यह काम पूरा कर लिया गया। जिलाधिकारी ने कहा, यह जन समस्याओं के त्वरित समाधान का उल्लेखनीय उदाहरण है।

पूर्व सरपंच बद्री सहरिया के पोते अरुण सहरिया ने कहा, पूरे गांव के लोग अब खुश और उत्साहित हैं क्योंकि उनकी रातें रोशन हो गई हैं। दशकों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार गांव में बिजली पहुंच गई है।

बद्री सहरिया और अन्य स्थानीय लोगों ने रात्रि चौपाल के दौरान यह मुद्दा उठाया था। सहरिया विशेष रूप से कमजोर एक जनजातीय समूह (पीवीजीटी) हैं। बद्री सहरिया ने 23 मई को रात्रि चौपाल के दौरान जिलाधिकारी को बताया कि सहरिया समुदाय के 40 परिवारों के पास बिजली नहीं है और वे अंधेरे में रह रहे हैं।

जिलाधिकारी ने अगले दिन स्थल का निरीक्षण किया और अधीक्षण अभियंता एन एम बिलोटिया को सर्वेक्षण करने तथा 15 दिनों के भीतर विद्युतीकरण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। पीएम-जनमन, या प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के तहत सहरिया परिवारों को भी स्थायी घरों के लिए सरकार की मंजूरी मिल गई है। पीएम-जनमन विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए एक पहल है।

सावन के पहले दिन शिव भक्ति में लीन हुई डिप्टी सीएम दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । श्रावण मास की पावन शुरुआत पर राजधानी जयपुर आज शिवमय नजर आया, तो वहीं उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सिटी महल स्थित श्री राजराजेश्वर शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का दुग्ध और जल से अभिषेक कर प्रदेशवासियों के लिए सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। सुबह के समय मंदिर में वेदों के पवित्र मंत्रों की ध्वनि गूंजी, परंपराओं का निर्वहन करते हुए उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने पूरे श्रद्धाभाव से भोलेनाथ का पूजन किया। मंदिर परिसर शिव आराधना और भक्ति भाव से सराबोर हो उठा। पूजा के दौरान उन्होंने हाथ में जलकलश लेकर शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया और पूरे विधि-विधान से भगवान शिव की आरती की। इस विशेष अवसर पर अनेक महिलाओं और कन्याओं ने भी पूजा में भाग लिया। फूलों की खुशबू, धूप-दीप की लौ, मंत्रोच्चार और घंटियों की मधुर ध्वनि के बीच माहौल अत्यंत आध्यात्मिक रहा। श्रद्धा और संस्कार की इस मिलन बेला में उपमुख्यमंत्री ने न केवल अपने व्यक्तिगत विश्वास को साझा किया, बल्कि पूरे प्रदेश की ओर से महादेव से आशीर्वाद भी मांगा।

दीया कुमारी ने कहा सावन का यह पवित्र महीना आत्मिक ऊर्जा, भक्ति और साधना का प्रतीक है। भगवान शिव के चरणों में यही प्रार्थना है कि प्रदेश में खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि बनी रहे। उन्होंने प्रदेशवासियों को सावन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह समय ईश्वर की भक्ति के साथ आत्मनिरीक्षण और परोपकार का भी है।

आर्थिक लाभ के लिए किसानों को बांस उत्पादन के लिए मिले प्रोत्साहन : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राज्य के काश्तकारों के लिए बांस उत्पादन की संभावनाओं पर प्रभावी योजना बनाकर कार्य किए जाने के निर्देश दिए हैं। बागड़े शुक्रवार को राजभवन में ग्रामीण आजीविका सृजन में बांस की भूमिका विषयक विशेष बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी कम पानी वाले क्षेत्रों की प्रदेश की उपलब्ध भूमि पर बांस उगाने और इससे जुड़े उत्पादन की विपणन कार्य योजना तैयार करें ताकि इससे काश्तकारों को अधिक से अधिक आर्थिक लाभ मिल सके।

महाराष्ट्र में बांस से जुड़े उत्पादों से काश्तकारों को होने वाले लाभ और इसके बढ़ते पर्यावरण और आर्थिक महत्व को देखते हुए राजस्थान में भी इस संबंध में संभावनाओं के मद्देनजर यह बैठक आयोजित की गई थी। बागड़े ने कहा कि राजस्थान में कम पानी वाले उपलब्ध क्षेत्रों में बांस की खेती को बढ़ावा देने की योजना पर विशेष रूप से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि बांस लगाने से काश्तकारों को आर्थिक लाभ ही नहीं होगा, प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के लिए भी तेजी से कार्य हो सकेगा।

राज्यपाल ने बांस लगाने के लिए काश्तकारों को प्रोत्साहित करने, उनको प्रशिक्षित करने और विशेष क्षेत्रों में बांस लगाने के सफल प्रयोग कर उन्हें किसानों को दिखाए जाने की व्यवस्था करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान की गर्म जलवायु के लिए बांस लगाना बहुत उपयोगी होगा। उन्होंने बड़े स्तर पर उपलब्ध भूमि का उपयोग बांस लगाने के लिए करने के लिए मानसिकता तैयार किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गरीब काश्तकारों को इसके लिए तैयार किया जाए। इस हेतु उन्हें बांस लगाने के बदले अनाज और दूसरी अनुदान योजनाओं से प्रेरित करने की बात कही। बागड़े ने कहा कि बांस घास की तरह तेजी से बढ़ता है। इसलिए केन्द्र सरकार ने कानून में बदलाव कर वन भूमि के पौधों की बजाय इसे घास श्रेणी में रखा है ताकि इसका आर्थिक रूप में किसानों को लाभ मिल सके। इसके निर्यात से राष्ट्र का आर्थिक विकास हो सके। उन्होंने राजस्थान में बांस उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही बांस उत्पादन में विविधता के लिए भी प्रशिक्षण प्रदान कर काश्तकारों को प्रोत्साहित किए जाने का आह्वान किया।

पर्यावरण एवं सतत विकास, मुख्यमंत्री टास्क फोर्स, महाराष्ट्र के अध्यक्ष पाशा पटेल ने कहा कि राजस्थान जैसे गर्म जलवायु वाले क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और काश्तकारों के आर्थिक लाभ की दृष्टि से बांस का उत्पादन वरदान साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि चीन में 1980 में बांस उत्पादन प्रारंभ हुआ और आज इससे वह बहुत बड़े स्तर पर आर्थिक लाभ ले रहा है। वहां पांच मिलियन हेक्टर में बांस उत्पादन हो रहा है जबकि भारत में 10 मिलियन हेक्टेयर में बांस होने के बावजूद इसके विपणन और उत्पादों की विविधता में कमी के कारण हम इसका आर्थिक लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

उन्होंने बांस को हरित भारत की दृष्टि से भी बहुत उपयोगी बताया तथा कहा कि भारत सरकार ने जब से इसे घास श्रेणी में रखा है तब से महाराष्ट्र में इस दिशा में तेजी से विकास हुआ है। विश्वभर के देशों में बांस के निर्माण कार्यों और फर्निचर के साथ अन्य उत्पादों में हम अग्रणी हुए हैं।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान के दौर में राजस्थान में बांस उत्पादन की संभावनाओं पर कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में किसानों को नरेगा के तहत बांस उत्पादन के प्रोत्साहन के लिए सात लाख का तक का अनुदान दिया जाता है। इसी तर्ज पर राजस्थान में काम होता है तो इसके भविष्य में बहुत अच्छे परिणाम आ सकते हैं।

एसडीएम को थप्पड़ मारने के आरोपी नरेश को मिली जमानत

जयपुर। राजस्थान में राजस्थान उच्च न्यायालय ने देवली-उनियारा आगजनी मामले में शुक्रवार को नरेश मीणा को जमानत दे दी। इसी मामले से जुड़े थप्पड़ कांड में मीणा को पहले ही जमानत मिल चुकी हैं। इसके बाद नरेश मीणा करीब आठ महीने बाद जेल से बाहर आएगा। नरेश 13 नवंबर 2024 से जेल में हैं। गत नवंबर 2024 को देवली-उनियारा विधानसभा के उपचुनाव के लिए मतदान हुआ था। इसमें समरावता गांव के लोगों ने उनके गांव को उनियारा उपखंड में शामिल करने की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार कर रखा था।

अभिनंदन

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शुक्रवार को अजमेर स्थित निम्बार्क तीर्थ पहुँचे। देवनानी ने आचार्य पीठाधीश्वर श्यामशरण देवाचार्य 'श्रीजी' का अभिनन्दन किया। देवनानी ने अखिल भारतीय निम्बार्काचार्य पीठ, निम्बार्क तीर्थ के पीठाधीश्वर श्री श्यामशरण देवाचार्य श्रीश्रीजी महाराज से आशीवार्द भी प्राप्त किया। निम्बार्क पीठ अनादि काल से वेदों, संस्कृत और भगवद्भक्ति का प्रकाश चारों ओर फैला रही है।

सावन के पहले दिन शिवालयों में भक्तों की उमड़ी भीड़

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा में सावन के पहले दिन हरनी महादेव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर में भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए कतारों में लगे रहे। हरनी महादेव मंदिर के साथ ही जिले के अन्य शिवालय भी शिव भक्तों से गुलजार रहे। भगवान भोले शंकर को समर्पित श्रावण-मास के शुक्रवार को पहले दिन हरणी महादेव, तिलस्वां महादेव के साथ ही जिले भर के सभी शिवालय भोले के जयकारों से गूंज उठे। भीलवाड़ा शहर के समीप प्राचीन हरनी महादेव मंदिर में शिव भक्तों की तड़के से ही लंबी-लंबी कतारें लग गयीं। भगवान शिव के दर्शन के लिए श्रद्धालु तड़के से ही पहुंचने लगे। भक्तों की आवक की व्यवस्थाओं को लेकर हरणी महादेव मंदिर ट्रस्ट एवं सेवा समिति के साथ पुलिस प्रशासन की ओर से पुख्ता बंदोबस्त किये गये हैं। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है और इस महीने में सोमवार का दिन विशेष महत्व रखता है।

विकसित राष्ट्र की परिकल्पना साकार करने के लिए जनसंख्या नियंत्रण बेहद जरूरी : खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस जनसंख्या नियंत्रण के साथ ही मातृत्व का सम्मान करने और समाज को सुरक्षित एवं स्वस्थ मातृत्व की दिशा में जागरूक करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्र की परिकल्पना साकार करने में जनसंख्या नियंत्रण की अहम भूमिका है। चिकित्सा मंत्री शुक्रवार को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण प्रकृति का संतुलन निरन्तर बिगड़ता जा रहा है। जनसंख्या वृद्धि से प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता कम हो रही है। इसी का परिणाम है कि पिछले कुछ वर्षों में प्राकृतिक आपदाएं तेजी से बढ़ी हैं। सभी के साझा प्रयासों से जनसंख्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

श्री खींवसर ने कहा कि संस्थागत प्रसव, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, टीकाकरण, चिकित्सा संस्थानों की उपलब्धता सहित कई ऐसे मानक हैं, जिनमें राजस्थान का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार कल्याण के क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दृष्टि से मा वाउचर योजना प्रारम्भ की गई है। योजना के लागू होने से गर्भस्थ शिशु एवं गर्भावस्था में गर्भवती महिला की समुचित देखभाल हो रही है।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा इतना विस्तृत किया गया है कि उपचार की कोई विधा और कोई तबका इससे नहीं छूटे। योजना को और प्रभावी बनाने के लिए इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी भी शुरू की गई है, ताकि प्रदेश के लोग दूसरे राज्यों में जाकर और दूसरे राज्यों के लोग राजस्थान आकर उपचार करा सकें। योजना से प्रतिदिन करीब 8 हजार मरीजों को 9 करोड़ से अधिक राशि का उपचार मिल रहा है।

चिकित्सा विभाग ने डेढ़ साल के अल्प समय में ही 24 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां कर दी हैं, इससे दूर-दराज के क्षेत्रों में भी पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध हो रहा है और स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। विभाग में करीब 26 हजार और पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

पर्यटन विभाग शुरू करेगा राज्य पर्यटन पुरस्कार : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। प्रदेश की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि राजस्थान में पर्यटन विभाग की ओर से राज्य पर्यटन पुरस्कार शुरू किए जाएंगे। जिसमें पर्यटन के क्षेत्र में अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में टूरिज्म पॉलिसी, टूरिज्म यूनिट पॉलिसी, फिल्म पॉलिसी की तरह रेस्पॉन्सीबल टूरिज्म पॉलिसी बनाने की सम्भावना पर काम किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से शुक्रवार को जयपुर के एक होटल में आउटलुक भारतीय जिम्मेदार पर्यटन राज्य पुरस्कार राजस्थान 2025 के तीसरे संस्करण के आयोजन के अवसर पर अपने सम्बोधन में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण व पर्यटन विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। पानी, बिजली और वृक्षों को बचाने के लिए अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव लाने होंगे।

दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान की पहचान पर्यटन से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि हम इस ज़िम्मेदारी पर गर्व से सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में, राजस्थान ने 23 करोड़ से ज़्यादा घरेलू यात्रियों और 21 लाख विदेशी पर्यटकों का राजस्थान आगमन हुआ। जिससे राजस्थान घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या के हिसाब से भारत में पाँचवाँ सबसे अधिक पर्यटकों द्वारा भ्रमण किया जाने वाला राज्य बन गया है। उन्होंने इस आयोजन का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि जिम्मेदार पर्यटन एक सशक्त विचार का जश्न मनाता है, समावेशिता और हमारे लोगों व हमारे पर्यावरण के प्रति सम्मान पर आधारित पर्यटन आज के समय की आवश्यकता है।

दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में हर किले का जीर्णोद्धार, हर सड़क का निर्माण और हर सांस्कृतिक स्थल का प्रचार-प्रसार करना लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमें राजस्थान में विश्वस्तरीय, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से संरक्षित बुनियादी ढाँचा तैयार करना है। इस वर्ष के बजट में छ5,000 करोड़ का पर्यटन अवसंरचना और क्षमता निर्माण कोष की व्यवस्था की है।

विद्यार्थियों को आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर बच्चों को डिजिटल प्रशिक्षण देना चाहिए : आनंदीबेन पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर बच्चों को आधारभूत डिजिटल प्रशिक्षण देना चाहिए ताकि बच्चों में कम उम्र से ही तकनीक के प्रति रुचि और समझ विकसित हो सके।

राज्यपाल पटेल ने आज (शुक्रवार) लखनऊ विश्वविद्यालय के परिसर में नवनिर्मित कौटिल्य भवन का लोकार्पण व निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं को 118 कम्प्यूटर किट वितरित कर आंगनबाड़ी केंद्रों में डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया।

राजभवन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने कहा कि राज्य विश्वविद्यालय उत्कृष्ट अकादमिक परंपराओं के साथ-साथ समाज सेवा की भावना से भी ओतप्रोत हैं। उन्होंने कहा, आंगनबाड़ी केंद्रों को कम्प्यूटर किट प्रदान करना एक दूरदर्शी एवं संवेदनशील प्रयास है, जिससे बाल विकास की आधारशिला और सशक्त होगी।

राज्यपाल पटेल ने कहा, डिजिटल युग में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी संसाधनों की पहुंच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय के विद्यार्थी आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर आशा कार्यकर्ताओं को कम्प्यूटर का उपयोग सिखाएं। राज्यपाल पटेल ने कहा, विद्यार्थियों को बच्चों को भी आधारभूत डिजिटल प्रशिक्षण देना चाहिए ताकि बच्चों में कम उम्र से ही तकनीक के प्रति रुचि और समझ विकसित हो सके।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मानदंडों के अनुरूप हर वर्ग और क्षेत्र में उच्च शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, उत्तर प्रदेश में नए विश्वविद्यालयों की स्थापना की जा रही है।

राज्यपाल पटेल ने कहा, उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहा है। हमें अपने विश्वविद्यालयों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना होगा, ताकि भारत का शिक्षा तंत्र विश्व के श्रेष्ठ संस्थानों की श्रेणी में स्थान प्राप्त कर सके।

एसआईआर पर न्यायालय की टिप्पणी 'करारा' जवाब, राहुल, तेजस्वी को माफी मांगनी चाहिए : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियां विपक्षी दलों के लिए ''करारा जवाब'' है।

भाजपा ने इस कवायद का विरोध करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव से ''सार्वजनिक माफीनामे'' की मांग की। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग को बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण जारी रखने की अनुमति देते हुए इसे ''संवैधानिक दायित्व'' बताया था।

शीर्ष अदालत ने कहा था कि बिहार में एसआईआर के दौरान आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर दस्तावेज के तौर पर विचार किया जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों से यह स्पष्ट हो गया है कि एसआईआर मतदान में पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने की एक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए विशेष अभियान शुरू करना संवैधानिक दृष्टि से निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है।

भाजपा नेता ने संवाददाताओं से कहा, ''उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के लिए करारा जवाब है।'' उन्होंने मांग की कि यादव और गांधी उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए भारत और बिहार के लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।'' उन्होंने पूछा, ''क्या तेजस्वी यादव उच्चतम न्यायालय के फैसले (टिप्पणियों) को स्वीकार करेंगे या नहीं?'' भाटिया ने गांधी से पूछा कि वह बताएं कि उच्चतम न्यायालय में मामले की सुनवाई से एक दिन पहले वह पटना की सड़कों पर प्रदर्शन क्यों कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया, ''इससे स्पष्ट होता है कि इन नेताओं को उच्चतम न्यायालय पर कोई भरोसा नहीं है।''

बंगाल में बांग्लादेश के दो मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार, नशीले पदार्थ जब्त

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में बांग्लादेश के दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से 10 किलोग्राम गांजा, प्रतिबंधित कफ सिरप की 100 बोतलें और एक चाकू बरामद किया गया। सीमा सुरक्षा बल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि जिले में तराली सीमा चौकी पर बृहस्पतिवार देर रात करीब 1.50 बजे तीन से चार बांग्लादेशी तस्करों के एक गिरोह से मुठभेड़ के दौरान बीएसएफ का एक जवान घायल हो गया। इसमें कहा गया कि सीमा चौकी तराली-1 पर गश्त कर रहे 143 बटालियन के जवानों को आत्मरक्षा के लिए हवा में कई गोलियां चलानी पड़ीं क्योंकि आरोपी जवानों को लगातार चुनौती दे रहे थे।

किशोर बर्मन बने त्रिपुरा के पंचायत एवं उच्च शिक्षा मंत्री

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार में तीन जुलाई को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले किशोर बर्मन को तीन प्रमुख विभाग सौंपे गए हैं। ये तीनों विभाग पहले मुख्यमंत्री के पास थे। एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इन विभागों में पंचायत, उच्च शिक्षा एवं सामान्य प्रशासन (राजनीतिक) विभाग शामिल है। प्रदेश के मुख्य सचिव जे के सिंघा ने बयान जारी कर कहा, ''त्रिपुरा सरकार के कार्यपालिका कार्य के नियम पांच के प्रावधानों के अनुसरण में, त्रिपुरा के राज्यपाल ने मुख्यमंत्री की सलाह पर किशोर बर्मन को तीन विभाग आवंटित किए हैं। इन विभागों में पंचायत, उच्च शिक्षा और सामान्य प्रशासन (राजनीतिक) शामिल हैं।'' बर्मन के शामिल होने और विभागों के आवंटन के साथ, मंत्रिमंडल में 11 मंत्रियों और एक राज्य मंत्री की संख्या पूरी हो गई है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महासचिव बर्मन 2023 के विधानसभा चुनावों में सिपाहीजला जिले के नालचर निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुये थे।

मैं इंग्लैंड की इन पिचों पर गिल को गेंदबाजी नहीं करना चाहूंगा : स्टार्क

मेलबर्न/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भारत और इंग्लैंड टेस्ट शृंखला के दौरान बल्लेबाजी के लिए आसान पिचों पर हैरानी जताते हुए कहा कि वह 'बिल्कुल सपाट पिचों' पर शुभमन गिल जैसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज को गेंदबाजी नहीं करना चाहेंगे। भारत के नये कप्तान गिल ने सिर्फ दो टेस्ट में लगभग 600 रन बना लिये हैं। इसमें दो बड़े शतक और एक दोहरा शतक शामिल है। पांच मैचों की शृंखला फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। स्टार्क ने 'विलियम टॉक पॉडकास्ट' पर कहा, ''मैं इंग्लैंड में उसे (गिल को) गेंदबाजी नहीं करूंगा। मैंने वहां के मैच ज्यादा नहीं देखे है लेकिन मैंने स्कोरकार्ड देखा है।'' उन्होंने कहा, ''कुछ खिलाड़ी थे जो जाग रहे थे (ऑस्ट्रेलिया के समयानुसार इन मैचों का प्रसारण देर रात तक होता है)। खासकर मार्नस (लाबुशेन), एलेक्स कैरी और स्टीव स्मिथ कॉफी मशीन के पास बैठकर मैच देखते थे। मैंने स्कोर देखे। इंग्लैंड में ऐसी पिचें गेंदबाजों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है।'' स्टार्क ने आगे कहा, '' मैंने जो खबरें पढ़ी है उसके मुताबिक ये पिचें उपमहाद्वीप जैसी थी। मेरे लिए इस पर विश्वास करना मुश्किल था लेकिन पिच गेंदबाजों के लिए बहुत कठिन थीं।'' गिल ने बर्मिंघम टेस्ट में 269 और 161 रन की पारी खेल भारत को बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। उन्होंने इससे पहले लीड्स में खेले गये पहले टेस्ट की शुरुआती पारी में भी शतक जड़ा था।

'संविधान बचाओ' रैली 'शहजादे' राहुल गांधी को बचाने के लिए एक और राजनीतिक पर्यटन : प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा में 'संविधान बचाओ' रैली आयोजित करने को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि यह संविधान के बजाय कांग्रेस के 'शहजादे' राहुल गांधी एवं पार्टी को बचाने के लिए एक और राजनीतिक पर्यटन है। प्रधान ने तंज कसा कि आज राहुल गांधी की स्थिति ''नाच न आवे आंगन टेढ़ा' कहावत को चरितार्थ करती है। उन्होंने कहा, ''यह संविधान बचाने के लिए नहीं है, बल्कि राहुल गांधी और कांग्रेस को बचाने के लिए है।''

प्रधान ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी द्वारा ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित संविधान बचाओ रैली दरअसल कांग्रेस के शहजादे का एक और राजनीतिक पर्यटन था। यह 'संविधान बचाओ' नहीं बल्कि ' राहुल गांधी और कांग्रेस बचाओ' समावेश है।'' उन्होंने लिखा, ''ओडिशा में भाजपा की जनहितैषी सरकार के प्रति जनता का अडिग विश्वास कांग्रेस को परेशान कर रहा है। ओडिशा में कांग्रेस का कोई वजूद ही नहीं है। ओडिशा के गरीबों, दलितों, आदिवासियों, किसानों और मजदूरों ने कांग्रेस को दशकों पहले नकार दिया था।''

उन्होंने कहा, ''ऐसे में राहुल गांधी का ओडिशा के गरीबों के हित की बात करना छलावे के अतिरिक्त कुछ नहीं है। कांग्रेस का इतिहास हमेशा से गरीबों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की अनदेखी करने का रहा है। दिल्ली से कांग्रेस की सरकारों द्वारा भेजे गए पैसों को कभी बिचौलिए लूट लेते थे, तो कभी (पार्टी) अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के हक को अपने खास वोटबैंक को समर्पित कर देती थी। ''

महिला स्वयं सहायता समूह 'विकसित अरुणाचल' की कुंजी हैं : के टी परनाइक

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के टी परनाइक ने शुक्रवार को महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से 'मेड इन अरुणाचल' आंदोलन की अग्रदूत बनने और स्थानीय रूप से तैयार अपने उत्पादों को 'लोकल टू ग्लोबल' (स्थानीय से वैश्विक) बनाने की अपील की।

एक सरकारी बयान के अनुसार यहां राजभवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में राज्य भर के 22 जिलों के 69 स्वयं सहायता समूह शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परनाइक ने ईटानगर, जिरो, तेजू, पासीघाट, नामसाई, आलो, बोमडिला और तवांग जैसे प्रमुख शहरों में समर्पित स्वयं सहायता समूह उत्पाद विपणन केंद्रों की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा, ''सरकार बुनियादी ढांचा प्रदान कर सकती है, लेकिन नेतृत्व स्वयं सहायता समूहों को ही करना चाहिए। ये केंद्र जीवंत स्वयं सहायता समूह बाजार बनने चाहिए, जो हमारी ग्रामीण महिलाओं की रचनात्मकता और शक्ति का प्रतिबिंब बनें।'' राज्यपाल ने स्वयं सहायता समूहों से परंपरा से जुड़े रहते हुए नवाचार को अपनाने का आह्वान किया। उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने सदस्यों से अपने उद्यमों को पंजीकृत करने, सामूहिक ब्रांड बनाने और देश भर में प्रदर्शनियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

भाजपा सरकार में पूरा उप्र जंगलराज में तब्दील हो गया है : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नीत सरकार में पूरा प्रदेश जंगलराज में तब्दील हो गया है।

पार्टी द्वारा जारी बयान के मुताबिक, अखिलेश यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश सरकार का दावा था कि अपराधी, अपराध छोड़ देंगे या फिर प्रदेश छोड़ देंगे लेकिन हकीकत यह है कि यहां सिर्फ अपराधी बेखौफ हैं, प्रदेश में वही व्यक्ति सुरक्षित है जो अपराधियों की नजर से बचा हुआ है। यादव ने आरोप लगाया, भाजपा सरकार में पूरा प्रदेश जंगलराज में बदल गया है। हत्या, लूट, डकैती और दुष्कर्म तो अब रोज की आम बातें हो गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया, पुलिस निरंकुश हैं, मुख्यमंत्री भाषणों से आत्ममुग्ध है और शासन-प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। यादव ने दावा किया, कोई दिन तो नहीं जाता, जब राजधानी लखनऊ सहित अन्य जनपदों में अपराधिक वारदातें न होती हों। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में दलितों को सर्वाधिक उत्पीड़न झेलना पड़ता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, कहीं दबंग दलितों की बारात में डीजे बजाने पर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं तो कहीं दूल्हे के घोडे पर चढ़ने पर हंगामा हो जाता है। उन्होंने हाल में हुई कई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, सच तो यह है कि अब प्रदेश में लोग आतंक और भय में जी रहे हैं। भाजपा सरकार की हर मोर्चे पर विफलता के कारण प्रदेश की दुनियाभर में बदनामी हो रही है।

बिहार ने नवीकरणीय ऊर्जा नीति को दी मंजूरी

पांच साल में 24 गीगावाट क्षमता हासिल करने का लक्ष्य

नई दिल्ली/भाषा। बिहार सरकार ने शुक्रवार को 'बिहार नवीकरणीय ऊर्जा नीति-2025' को मंजूरी दे दी। इसमें 2029-30 तक 23.97 गीगावट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और 6.1 गीगवाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) भंडारण क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य सरकार ने एक बयान में यह जानकारी देते हुए बताया कि यह नीति राज्य में स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक व्यापक योजना है। नीति का मकसद स्वच्छ ऊर्जा के साथ ऊर्जा भंडारण क्षमता को भी बढ़ावा देना है। इसके तहत 2029-30 तक 23.97 गीगावट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और 6.1 गीगवाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) भंडारण क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

इसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा को तेजी से अपनाना, बड़े पैमाने पर निवेश लाना और 2070 तक भारत के कार्बन उत्सर्जन को शुद्ध रूप से शून्य स्तर पर लाने के लक्ष्य की ओर ठोस योगदान देना है। नीति में विविध नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना को बढ़ावा देने, समावेशी विकास तथा रोजगार और नवोन्मेष में वृद्धि पर जोर दिया गया है।

सीतारमण ने मेघालय में एसएएससीआई कोष के पूर्ण उपयोग की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा के नेतृत्व में हुई राज्य की प्रगति की सराहना करने के साथ ही इसे प्रभावी एवं उद्देश्यपूर्ण विकास का मॉडल बताया। सीतारमण ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता' (एसएएससीआई) के तहत आवंटित 5,400 करोड़ रुपए के पूरे आवंटन का राज्य द्वारा 'अनुकरणीय उपयोग' पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेघालय ने अन्य राज्यों के लिए उदाहरण पेश किया है।

सीतारमण ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, जहां कुछ राज्य अपने हिस्से का पूरा उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, वहीं मेघालय ने अपने पूरे आवंटन का उपयोग पूंजीगत संपत्तियां बनाने में प्रभावी ढंग से किया है। मैं मेघालय के प्रयासों की सराहना करती हूं। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा, सरकार इस क्षेत्र को सशक्त बनाने, कार्य करने, मजबूत बनाने और परिवर्तन लाने के लिए काम कर रही है। वित्त मंत्री ने राज्य में विकास की प्रमुख उपलब्धियों का भी उल्लेख किया, जिनमें 540 किलोमीटर से अधिक लंबी सड़कों का निर्माण और 2014 से ऑप्टिकल फाइबर कवरेज में पांच गुना वृद्धि शामिल है। उन्होंने जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी केंद्र प्रायोजित योजनाओं में राज्य के प्रदर्शन की सराहना की। मुख्यमंत्री संगमा ने कहा कि राज्य सरकार उद्देश्य-आधारित, लक्ष्य-आधारित और परिणाम-आधारित शासन के मॉडल का अनुसरण करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेघालय ने किस तरह 'बाह्य सहायता-प्राप्त परियोजनाओं' (ईएपी) के माध्यम से बड़ी संख्या में योजनाओं और परियोजनाओं का लाभ उठाया है।

आम आदमी पार्टी अकेले लड़ेगी बिहार विधानसभा चुनाव : संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। हालांकि उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन के आरोप का समर्थन किया कि भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर बिहार में मतदाता सूची में हेरफेर की जा रही है।

'पीटीआई वीडियो' के साथ बातचीत में राज्यसभा सदस्य सिंह ने अपनी पार्टी के सहयोगी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का भी जोरदार बचाव किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छोटे देशों की यात्राओं का उपहास करने के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। आप नेता सिंह ने यह भी दावा किया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मोदी को एक बड़ा संकेत मिला है, जिन्होंने कहा है कि 75 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को सक्रिय सार्वजनिक जीवन में नहीं रहना चाहिए।

आप यहां छुट्टी मनाने के लिए नहीं आए हैं

गंभीर ने बीसीसीआई के परिवार नियम का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने लंबी विदेशी यात्राओं के दौरान क्रिकेटरों के परिवार की उपस्थिति को सीमित करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश का समर्थन करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को यह महसूस करना चाहिए कि वे छुट्टी पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य पर हैं।

बीसीसीआई ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया से 1-3 की हार के बाद एक संशोधित यात्रा नीति तैयार की है। इसके तहत 45 दिनों से अधिक के दौरों के लिए परिवार के सदस्यों के रहने की अवधि अधिकतम दो सप्ताह तक सीमित कर दी गई है। छोटे दौरों के लिए यह अवधि सात दिनों तक सीमित कर दी गई थी।

गंभीर ने 'सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क' पर चेतेश्वर पुजारा से कहा, '' परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण है लेकिन आपको एक बात समझनी होगी। आप यहां एक उद्देश्य के लिए आए हैं। यह कोई छुट्टी नहीं है। आप एक बहुत बड़े उद्देश्य के लिए यहां हैं। उस ड्रेसिंग रूम में या इस दौरे पर बहुत कम लोग हैं जिन्हें देश को गौरवान्वित करने का यह अवसर मिलता है।''

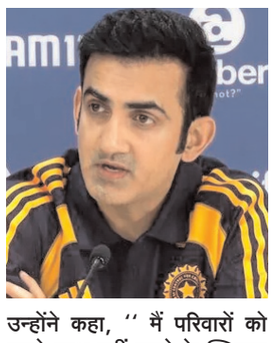

उन्होंने कहा, '' मैं परिवारों को हमारे साथ नहीं रखने के खिलाफ नहीं हूं।''

इससे पहले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने खिलाड़ियों के साथ परिवार को रखने का समर्थन किया था। कोहली का तर्क था कि अधिक दबाव वाली स्थितियों के दौरान परिवार की मौजूदगी से काफी मदद मिलती है।

गंभीर ने हालांकि बाकी सब चीजों से पहले देश को रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, '' परिवार का होना महत्वपूर्ण है। आपका ध्यान अगर देश को गौरवान्वित करने की ओर है और आपकी भूमिका किसी भी अन्य चीज़ से कहीं ज्यादा बड़ी है और आप उस लक्ष्य, उस उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं तो मुझे लगता है कि बाकी सब ठीक है। मुझे लगता है कि वह उद्देश्य और वह लक्ष्य किसी भी अन्य चीज से कहीं ज्यादा अहम है।''

इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के इतर गंभीर ने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें खेल से खुद को अलग करना मुश्किल लगता है। उन्होंने खुलासा किया कि बर्मिंघम में इंग्लैंड पर भारत की जीत के कुछ ही मिनटों बाद वह टीम संयोजनों के बारे में सोच रहे थे।

गंभीर से जब पूछा गया कि वह तनाव मुक्त कैसे होते है तो उन्होंने कहा, ''यह एक कठिन सवाल है। मुझे अभी तक समझ नहीं आया है कि मैं कैसे इन चीजों से अपना ध्यान अलग करूं क्योंकि मैं ऐसा नहीं कर पाता हूं। कभी-कभी यह बहुत मजेदार और बहुत अजीब होता है।'' तीन मैचों की यह शृंखला अभी 1-1 से बराबर है।

ट्रेनिंग के दौरान अपनी एक समस्या पर काम कर रहा हूं : नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अपने खेल में एक समस्या की पहचान की है और जल्द से जल्द इसमें सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वह इस साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं। चोपड़ा 13-21 सितंबर को टोक्यो में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में पदक के प्रबल दावेदार हैं। वह अपने महान कोच जान जेलेजनी के साथ 57 दिन तक चेक गणराज्य के प्राग और निम्बर्क में ट्रेनिंग लेंगे।

वह शुक्रवार रात अपने फिजियो इशान मारवाह के साथ रवाना होंगे और पांच सितंबर तक यूरोपीय देश में रहेंगे जिसका कुल खर्चा 19 लाख रुपए है। चोपड़ा ने कहा, ''मैंने पहले ही अपनी कमी की पहचान कर ली है जिन पर मुझे काम करने की जरूरत है। भाला फेंकते समय मैं अक्सर अपनी बाईं ओर गिर जाता हूं। हमें इस पर काम करने की जरूरत है। ट्रेनिंग में मैं ऐसा नहीं करता लेकिन प्रतियोगिता में अतिरिक्त प्रयास के कारण ऐसा होता है।'' उन्होंने कहा, ''कोच कह रहे हैं कि बाईं ओर ज्यादा मत जाओ और हम इस पहलू पर बहुत काम कर रहे हैं क्योंकि भाला फेंकने के लिए मुझे जो ताकत लगानी होती है, वह मैं अक्सर बर्बाद कर देता हूं। हम रन-अप पर भी बहुत काम कर रहे हैं।'' चोपड़ा ने कहा, ''पेरिस डायमंड लीग और दोहा डायमंड लीग जैसी कुछ प्रतियोगिताओं में यह अच्छा रहा था, लेकिन बेंगलूरु में ऐसा नहीं था क्योंकि वहां थोड़ी हवा भी थी। ओस्ट्रावा में मुझे लगा कि मैं अच्छा फेंक सकता हूं लेकिन रन-अप और तकनीक अच्छी नहीं थी।'' दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने कहा कि उन्हें बार बार 90 मीटर का आंकड़ा छूने के लिए निरंतरता पर भी काम करने की जरूरत है।

सुविचार

सपनों को साकार करने का पहला कदम है खुद पर विश्वास करना।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रावलपिंडी के झूठ का पर्दाफाश

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने आईआईटी मद्रास के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए जिन शब्दों में 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी का जिक्र किया, उनकी गूंज सरहद पार भी सुनाई दे रही है। जो पाकिस्तानी मीडिया अब तक रावलपिंडी की नकली जीत की कहानियां सुना रहा था, उसका पर्दाफाश हो चुका है। इस पड़ोसी देश के कई नागरिकों की भी आंखें खुली होंगी कि उन्हें अब तक किस तरह मूर्ख बनाया जा रहा था! 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय मिसाइलों ने अपने लक्ष्यों पर सटीक निशाना साधा था, जिससे खूंखार आतंकवादियों का खात्मा संभव हुआ। पाकिस्तानी मीडिया ने भी स्वीकार किया था कि हमला बहुत जबर्दस्त था। सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें आईं, उनमें स्पष्ट देखा जा सकता है कि जिन इमारतों में आतंकवादी मौजूद थे, उन्हीं को नुकसान हुआ था। कोई मिसाइल अपने लक्ष्य से नहीं भटकी थी। इस कार्रवाई को अंजाम देने में आधा घंटा भी नहीं लगा था। 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की सैन्य और वैज्ञानिक शक्ति का ऐसा प्रमाण है, जिसे देखकर दुनिया के कई देश हैरान हैं। हमने इसके जरिए पाकिस्तान को ही नहीं, ऐसी कई ताकतों को शिकस्त दी है, जो भारत से दुश्मनी रखती हैं। चीन, तुर्किये जैसे देशों के अलावा पश्चिमी देशों की कई कंपनियां अपने नापाक इरादों में विफल हुई हैं। वे भारत को बड़ा नुकसान पहुंचाना चाहती थीं। पश्चिमी मीडिया तो अब तक दुष्प्रचार में लगा हुआ है। वह पाकिस्तान को विजेता की तरह पेश कर रहा है। ऐसे में डोभाल का यह कथन कि 'आप एक तस्वीर दिखाएं जिसमें भारत को कोई नुकसान हुआ हो, एक कांच भी टूटा हो, दुनियाभर की सैटेलाइट इमेजरी में कुछ भी नहीं दिखता', उन मीडिया संस्थानों के झूठ की पोल खोलता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में कुछ ऐसे सबक भी हैं, जिनकी ओर ध्यान देकर भविष्य में होने वाली कार्रवाइयों को और बेहतर बनाया जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि उक्त ऑपरेशन से पाकिस्तान में हाहाकार मच गया था, लेकिन उसने 'प्रचार युद्ध' के लिए इतनी तैयारी कर रखी थी कि भारत के कई वरिष्ठ पत्रकार धोखा खा गए। पाकिस्तान ने पुरानी और एआई निर्मित सामग्री के दम पर सोशल मीडिया पर भारी भ्रम फैलाया था। भारत को एक मजबूत सूचना युद्ध इकाई बनानी होगी, जो दुश्मन के ऐसे पैंतरों पर नजर रखे और तुरंत उसका जवाब दे। पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों को अपनी मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिन्हें हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने आसमान में ही नष्ट कर दिया था। वहीं, एलओसी पर उसके द्वारा की गई गोलाबारी से हमारे कुछ सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों की जानें गई थीं। रिहाइशी इलाकों को भी नुकसान हुआ था। चूंकि निकट भविष्य में पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज़ आने वाला नहीं है, इसलिए इन इलाकों में ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि आम नागरिकों का जीवन सुरक्षित हो। घरों में तहखाने और मजबूत बंकर बनाकर ऐसे विकल्प उपलब्ध कराए जा सकते हैं, जिनमें छिपने से लोग अधिक सुरक्षित महसूस करें। पाकिस्तान की यह पुरानी आदत रही है कि वह पहले हमला करता है, जब भारत जवाबी कार्रवाई करता है तो संघर्ष विराम का आग्रह करने लगता है। हालांकि वह उसकी शर्तों का सम्मान नहीं करता। उसके डीजीएमओ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ऐसा आग्रह किया, लेकिन उसकी फौज एलओसी पर गोलाबारी करती रही। भारत को संघर्ष विराम की शर्तों को और सख्त करना होगा। इन दिनों पाकिस्तान (तुलनात्मक रूप से) थोड़ा 'शांत' है। वह ताकत जुटाने में व्यस्त है। अगर वह दोबारा हिमाकत करे तो भारत की ओर से जवाब में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास को लेकर राजस्थान सरकार एक नए विज़न के साथ आगे बढ़ रही है। इस दिशा में आज इंडियन रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म समिट एंड अवॉर्ड्स राजस्थान चैप्टर 3 में शिरकत की। पर्यटन केवल एक गंतव्य नहीं, बल्कि राजस्थान की आत्मा है।

-दीया कुमारी

देवाधिदेव महादेव की उपासना को समर्पित पवित्र श्रावण मास के शुभारंभ पर आप सभी को हार्दिक बधाई! भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा से समस्त प्रदेशवासियों का जीवन सुख, शांति, आरोग्यता और खुशहाली से परिपूर्ण हो, मेरी यही प्रार्थना है।

भजनलाल शर्मा

आज पाली के खिंवादी गांव पहुंचकर चूरू में शहीद हुए फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज सिंह देवड़ा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद के गर्वित पिता श्री जसवंत सिंह देवड़ा का शोक बाँटने का प्रयास किया। पाली डेयरी के चेयरमैन श्री प्रताप सिंह बीठिया की भी उपस्थिति रही।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

महान गणितज्ञ

वर्ष 1963 की बात है। बीएससी प्रथम वर्ष की गणित की कक्षा चल रही थी। एक विद्यार्थी ने सवाल हल कर प्रोफेसर को दिखाया। प्रोफेसर ने उस सवाल पर गलत का निशान लगाकर वापस कर दिया और कहा, 'यह सवाल तुमसे हल हो ही नहीं सकता।' विद्यार्थी ने उसी सवाल को कई तरीकों से हल कर पुनः प्रोफेसर के समक्ष रखा। प्रोफेसर को विद्यार्थी के व्यवहार पर गुस्सा आया और उन्होंने उसकी शिकायत प्राचार्य से कर दी। प्राचार्य ने चैंबर में विद्यार्थी को डांटा तो वह रोने लगा। यह देखकर प्राचार्य ने पूरी घटना पूछी। उन्होंने विद्यार्थी से कई कठिन सवाल हल करने को कहा, जिन्हें उसने चुटकी बजाते हल कर दिखाया। प्राचार्य का आश्चर्य बढ़ गया और वे उसे कुलपति के पास लेकर गए। उन्होंने कहा, 'सर, यह विद्यार्थी असाधारण प्रतिभा का धनी है। इसे प्रथम वर्ष की नहीं, अंतिम वर्ष की परीक्षा देनी चाहिए।' इस प्रकार पटना विश्वविद्यालय के नियम में बदलाव कर विद्यार्थी को एक वर्ष में ऑनर्स की डिग्री प्रदान की गई। गणित में अपनी अद्भुत क्षमता से सभी को चौंकाने वाले ये विद्यार्थी थे वशिष्ठ नारायण सिंह। वे गणना में कंप्यूटर को भी मात देते थे।

सामयिक

जब छात्र हत्यारे बन जाएं : चेतावनी का वक्त

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

हिसार में शिक्षक जसवीर पातू की निर्मम हत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना कोई साधारण आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि यह हमारे गिरते नैतिक मूल्यों, संवादहीन परिवार व्यवस्था, और संवेदनहीन शिक्षा प्रणाली का कठोर दर्पण है। जब एक छात्र ही अपने शिक्षक का हत्यारा बन जाए, तो यह केवल व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे समाज का पतन है। आज विद्यालय शिक्षा का मंदिर नहीं, बल्कि हिंसा, डर और असुरक्षा का केंद्र बनते जा रहे हैं। शिक्षक, जो कभी मर्यादा, संयम और अनुशासन के प्रतीक माने जाते थे, अब अपने ही छात्रों से भयभीत रहने लगे हैं। क्या यही है आधुनिक शिक्षा की सफलता? क्या इसी दिन के लिए हमने विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाएं और डिजिटल पठन-पाठन का विस्तार किया था?

इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि हमारे बच्चे इतने क्रूर कैसे हो गए? उनके भीतर सहनशीलता, करुणा और विवेक की जगह गुस्सा, हिंसा और प्रतिशोध ने क्यों ले ली है? इसका उत्तर हमें विद्यालयों या सरकार से नहीं, बल्कि अपने घरों और आत्मचिंतन में खोजना होगा। आज का बच्चा मोबाइल की स्क्रीन में दुनिया ढूंढ रहा है। माता-पिता उसके पास होते हुए भी उसकी दुनिया से दूर हैं। भोजन करते समय, यात्रा करते समय या घर पर बैठते समय भी वह किसी वीडियो, खेल या आभासी मित्र के साथ जुड़ा होता है। उसका वास्तविक जीवन धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है और वह एक कृत्रिम आक्रोशपूर्ण दुनिया में जी रहा है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा अब केवल पुस्तकों तक सीमित रह गई है। 'सत्य', 'अहिंसा', 'क्षमा' जैसे शब्द अब पाठ्यपुस्तकों की शोभा बनकर रह गए हैं। न शिक्षक के पास समय है, न पालकों के पास धैर्य, और न समाज के पास कोई दिशा। बच्चों के भीतर जो आक्रोश पनप रहा है, वह इसी उपेक्षा और संवादहीनता की उपज है।

मन के भीतर जब दर्द, कुंठा और अस्वीकार का जहर भरता है, तो वह या तो आत्मघात की ओर ले जाता है या फिर हत्या की ओर। और जब यह जहर एक किशोर के भीतर भर जाए, तो परिणाम वही होता है जो हमने जसवीर पातू की हत्या के रूप में देखा। मनोरोग विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि किशोरों में बढ़ती हिंसा का कारण संवाद की कमी है। वे अपनी बात कहने, ग़लतियों को साझा करने, और मदद मांगने में संकोच करते हैं। माता-पिता अक्सर बच्चों को डांटते हैं या नकारते हैं, जिससे बच्चा आंतरिक रूप से विद्रोही बनता चला जाता है।

विद्यालय में भी उसे एक अंक, एक परीक्षा, एक प्रदर्शन से ही मापा जाता है। उसके मनोभावों, उसकी मानसिक स्थिति और उसके व्यवहार पर कोई ध्यान नहीं देता। क्या हम यह भूल गए हैं कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री दिलवाना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है? और चरित्र निर्माण तब तक संभव नहीं जब तक शिक्षक और विद्यार्थी के बीच विश्वास न हो, माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद न हो, और समाज के भीतर मूल्य आधारित सोच का विस्तार न हो।

प्रशासन की भूमिका पर भी प्रश्नचिन्ह लगते हैं। जब तक कोई घटना नहीं होती, तब तक सब कुछ सामान्य माना जाता है। लेकिन जब कोई शिक्षक मारा जाता है, तब ज्ञापन दिए जाते हैं, धरने होते हैं, और कुछ समय बाद फिर सब भुला दिया जाता है। यही चक्र लगातार दोहराया जा रहा है। शिक्षक अब अपने सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रशासन से गुहार कर रहे हैं। विद्यालय संचालक बोर्ड अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लेकिन क्या केवल कार्रवाई से यह समस्या सुलझ जाएगी? हमें मूल में जाकर देखना होगा कि बच्चों के मन में यह हिंसा कैसे जन्म लेती है।

हमारे विद्यालयों में मानसिक परामर्शदाता होना चाहिए, प्रत्येक छात्र की मानसिक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए, परिवारों को बच्चों के साथ संवाद का प्रशिक्षण देना चाहिए। विद्यालयों में केवल परीक्षा की तैयारी ही नहीं, जीवन के लिए तैयार करने की भी आवश्यकता है। आज आवश्यकता है एक संवाद पुनरुद्धार अभियान की, जो घर-घर तक पहुंचे। हमें माता-पिता, शिक्षक और छात्र – इन तीनों के बीच विश्वास और सहअस्तित्व की भावना को पुनः जागृत करना होगा।

अगर हम बच्चों से सुनना नहीं चाहेंगे, तो वे हिंसा से बोलना सीख जाएंगे। शिक्षक अब अपने अधिकारों और अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह स्थिति शर्मनाक है। एक समाज जो अपने गुरु को सम्मान नहीं दे सकता, वह कभी समृद्ध नहीं हो सकता। अगर हमने अब भी नहीं समझा कि यह शिक्षक की नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ी की हत्या है, तो वह दिन दूर नहीं जब हर विद्यालय एक युद्धभूमि बन जाएगा।

हमें यह समझना होगा कि बच्चे गलत नहीं होते, वे केवल अनसुने होते हैं। अगर वे प्यार, समझ और सही दिशा पाएँ तो वही बच्चा दुनिया बदल सकता है। परंतु अगर वह उपेक्षा, अस्वीकार और हिंसा का शिकार बने तो वही बच्चा एक शिक्षक का हत्यारा भी बन सकता है। सरकार को चाहिए कि वह विद्यालयों में नियमित रूप से मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण, संवाद सत्र, और अभिभावक-शिक्षक सम्मेलनों का आयोजन करवाए। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों को केवल आज्ञा न दें, बल्कि उनकी बातें भी सुनें। और समाज को चाहिए कि वह शिक्षा को केवल नौकरी पाने का माध्यम न माने, बल्कि एक संवेदनशील, जिम्मेदार नागरिक बनाने की प्रक्रिया के रूप में देखे। यह घटना हमें नींद से जगाने आई है। यह कोई समाचार पत्र की एक ख़बर नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक चेतावनी है। अगर हम अब भी नहीं चेते, तो आने वाले वर्षों में हमारे विद्यालयों में पुस्तकों से अधिक हथियार मिलेंगे, और शिक्षकों से अधिक सुरक्षा कर्मी। आज भी समय है कि हम इस चेतावनी को गंभीरता से लें। हम संवाद को पुनर्जीवित करें, शिक्षा को पुनरर्थित करें, और अपने बच्चों को हिंसा से नहीं, समझ से जीतना सिखाएं। तभी हम एक सुरक्षित, संवेदनशील और सशक्त भारत की कल्पना कर सकेंगे।

विशेष

प्रकृति का रंगीला उत्सव है सावन का महीना

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 941444121

भक्ति, शक्ति प्रेम, प्रकृति, त्याग, आशीर्वाद और परंपराओं का संगम सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो गया है जिसका समापन 9 अगस्त को होगा। देश में सावन के महीने को एक त्योहार की तरह मनाया जाता है और इस परंपरा को लोग वर्षों से निभाते चले आ रहे हैं। सावन एक ऐसा पवित्र महीना है, जिसमें संसार बारिश, हरियाली, और भक्ति की पावनता की अनुभूति करता है। सावन के पवित्र महीने में प्रकृति का सौंदर्य और अधिक निखर कर आता है। सावन का महीना प्रकृति का उत्सव है। बारिश की बूंदें धरती को सींचती हैं और नई जान डालती हैं। सावन का महीना जहां भक्ति और उत्सव के लिए जाना जाता है, वहीं यह महीना अपनी हरियाली, ठंडी हवाओं और झीलों में खिलते कमल के फूलों के लिए भी जाना जाता है। इस महीने में प्रकृति का सौंदर्य अपने चरम स्तर पर होता है। सावन में प्रकृति अपने चरम पर होती है। हरियाली चारों ओर फैली होती है और बारिश की बूंदें मन को सुकून देती हैं। सावन में शिवालयों में विशेष भीड़ होती है। भक्तजन जलाभिषेक, व्रत और पूजा-पाठ में लीन रहते हैं। इस महीने में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। लोकगीत, नृत्य और अन्य कलाओं का प्रदर्शन होता है। सावन का महीना मन को शांत और प्रसन्न करता है। लोगों में एक अलग ही उत्साह और आस्था का संचार होता है।

सावन का महीना भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। यह बारिश की झड़ी के साथ प्रकृति की गोद में झूलने, भक्ति में डूबने और मन की शांति पाने का समय होता है। सावन आते ही वातावरण तो हरा-भरा हो ही जाता है साथ ही मन भी खुशनुमा रहता है। भीषण गर्मी से राहत देने के साथ ही मानसून चारों तरफ हरियाली लाकर लोगों की आंखों को भी सुकून देता है। सावन महीने से वर्षा ऋतु की शुरूआत होती है जिस वजह से चारों तरफ हरियाली छा जाती है। मैदान से लेकर पहाड़ तक हरियाली की चादर ओढ़ लेते हैं। प्रकृति के सौंदर्य का यह नजारा वाकई अद्भुत होता है। सावन का महीना खुद को प्रकृति से जोड़ने का महीना होता है। इसलिए लोग हरा रंग पहन कर अपने आप को प्रकृति से जोड़ते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन आने पर हर तरफ हरियाली छा जाती है। जो ना सिर्फ आंखों को खुश करती है बल्कि आपके मन को भी शांति प्रदान करती है। सावन माह कई दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह व्रत और त्योहारों का माह तो है ही साथ ही लोगों को गर्मी के कहर से राहत देता है। झमाझम बरसात के लिए लोग लंबे समय तक इंतजार करते हैं। इस सुहाने मौसम में खुश होकर कई त्योहार मनाते हैं। सावन के महीने में बहुत बरसात होती है जिससे मौसम सुहावना हो जाता है। देश के हर राज्य में बारिश हो चुकी है। किसानों के लिए यह माह वरदान के सामान है। लोग ऐसे ही वक्त पर अपने परिवार के साथ बाहर घूमते हैं और सावन के खुशनुमा मौसम का आनंद लेते हैं। सावन के महीने में हर तरफ हरियाली छा जाती है और मौसम ठंडा हो जाता है। सावन के महीने में वायु की गुणवत्ता भी बढ़ जाती है। सुहाने मौसम के साथ सावन मास का आना सब दृष्टियों से मन को लुभाने वाला था।

भारत त्योहारों और पर्वों का देश है। यहाँ हर महीने रंगीले त्योहार मनाये जाते है मगर सावन माह इनमें अलग और अनूठा है। भगवान शिव की पूजा-आराधना और मनोकामना की पूर्ति के लिए सावन का महीना बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। भीषण गर्मी के बाद सावन का महीना तन मन को हर्षित करता है। सावन के महीने में चारों तरफ हरियाली रहती है। सावन सोमवार में शिवलिंग का जलाभिषेक,बेलपत्र और भोलेनाथ की पूजा करने पर विशेष फल की प्राप्ति होती है। सावन मास में बारिश के आगमन से धरती का कोना-कोना हरा-भरा होकर खिल उठता है। इस महीने में चारों तरफ हरियाली छा जाती है मानो प्रकृति ने फिर से जन्म लिया हो, और सृष्टि का फिर से निर्माण हो रहा हो, पूरा वातावरण झूमने लगता है, प्रकृति फिर से सुंदर हो जाती है, सब को लुभाने लगती है।

इस महीने में शंकर भगवान की पूजा पाठ चारों तरफ अराधना की कवायद लगी हुई दिखाई देती हैं। जीवन में भक्ति रस का का अपना अनूठा स्थान हैं । दिन रात भजन कीर्तन करते रहने की खुशी होती है। सावन के आते ही सबके मन में हरियाली छा जाती हैं। प्रकृति के लिहाज से भी श्रावन मास का खास महत्व है। प्रकृति हरी-भरी रहती है। बागों के फूल हंसते इठलाते खुशी से खिल जाने से मुस्कान बिखेर लज्जा से झुकने लग जाते है। सावन के प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव को जल अवश्य अर्पित करना चाहिए। रात्रि में जमीन पर शयन करना चाहिए। अगर नौ या सोलह सोमवार व्रत करना संभव ना हो तो सावन के चार सोमवार व्रत किए जा सकते हैं। दूध से अभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

नजरिया

सफलता भाग्य का नहीं, परिश्रम का पुरस्कार

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415.

जहां सफलता की संभावना एकदम कम तथा न्यून हो और सफलता मिल जाए तो भाग्य को श्रेय दिया जाता है। वास्तव में जो सफलता के चरम पर होता है, वह खुद ही जानता है कि भाग्य जैसी कोई चीज नहीं होती है। पर सफल व्यक्ति से जुड़े हुए लोग उसके साहस और श्रम को श्रेय देने के बजाय व्यक्ति के भाग्य पर जोर देने लगते हैं। इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं, जो सफलता को कुछ निश्चित गुणों पर आधारित मानते हैं। असफल व्यक्ति ही भाग्य पर ज्यादा भरोसा करते हैं, असफल होने पर अपने भाग्य को कोसते हैं। वस्तुतः भाग्य नाम की कोई चिड़िया होती ही नहीं है। भाग्य साहस और मेहनत की परिणति है। जिसके भीतर साहस और श्रम करने की प्रवृत्ति होती है, वही व्यक्ति सफल होता है। भाग्य उसका सदैव साथ देता है। साहसी व्यक्ति मेहनत से नहीं डरता, चुनौतियां स्वीकार करता है,और निडर होकर हर चुनौती का डटकर मुकाबला करता है। साहसी व्यक्ति कांटों से भरे पथ पर चलने के लिए तत्पर रहता है, डर नामक चीज़ से वह परिचित नहीं होता है। और अपनी मेहनत और साहस के बल पर बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त करता है, वही व्यक्ति भाग्यवान कहलाता है। मशहूर मुक्केबाज मोहम्मद अली उर्फ कैशियस क्ले ने एक महत्वपूर्ण मुक्केबाजी की स्पर्धा जीतकर कहा था, जो व्यक्ति जीवन में ज्यादा खतरे नहीं उठाता वह एक साधारण जिंदगी जीने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकता मोहम्मद अली के इस कथन में कई सफलता के तत्व छुपे हुए हैं, यदि आपने अपनी जिंदगी में साहस नहीं दिखाया तो निश्चित तौर पर आप कुछ भी उल्लेखनीय नहीं कर सकते हैं, साहस एक ऐसा माननीय गुण है जो व्यक्ति की सफलता को दुगना कर देता है।

साहस और श्रम ही जीवन का पर्याय है, और ऐसे व्यक्ति भीड़ में अलग दिखाई देते हैं। उन्हें ही समाज सफल व्यक्ति एवं भाग्यवान होने की श्रेणी में रखता है। साहसी व्यक्ति के मन में हिचक नहीं होती वह किसी भी निर्णय लेने में कभी किंकर्तव्यविमूढ़ नहीं होता, अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए वह अपने साहस और श्रम पर विश्वास रख आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहता है। नेपोलियन बोनापार्ट के अनुसार भाग्य केवल सक्रिय मस्तिष्क का साथ देता है, इसीलिए मनुष्य को अपना मस्तिक सदैव क्रियाशील व सक्रिय रखना चाहिए, वास्तव में हम जैसे विचार रखते हैं, हम जैसा सोचते हैं, हम वैसे ही बन जाते हैं, जिसने विचारों की ऊर्जा को पहचाना, उसका जीवन सकारात्मक तथा सफलता के कदम चूमता है। अपने लक्ष्य के बारे में सदैव विचार करते रहें एवं उपलब्ध संसाधनों का रोना रोने के बजाय यह सोचना आवश्यक होगा कि हम अपना सर्वोत्तम कैसे दे सकते हैं। ऐसे विचारों और साहस के बहुत बड़े उदाहरण मीराबाई चानू, बजरंग पूनिया और गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा हैं, जो देश के लिए बहुत बड़े उदाहरण हैं। इसके अलावा अन्य भी जिन्होंने ओलंपिक 2020 जापान में देश के लिए खेल में चार और मेडल प्राप्त किया और देश का गौरव बढ़ाया। इन सब को बधाइयों के साथ शुभकामनाएं भी हैं, इनकी मेहनत लगन और साहस को देश के 135 करोड़ आवाम का अभिनंदन तथा वंदन है।

थॉमस कूलर के अनुसार बुद्धिमान व्यक्ति अवसर को एक अच्छे भाग्य में बदल देता है। और वही व्यक्ति जो अवसर की तलाश में रहता है, उसे परिवर्तित कर अच्छे परिणाम देकर, अपने परिवार, समाज देश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करवाता है। स्वयं को मिले अवसरों को सफलता में बदल डालिए, आपका हर पल बहुत कीमती है, उसे नष्ट ना करें, सफलता को अपनी आदत में शुमार कर लीजिए फिर देखिए दुनिया आपकी, संसार आपका, सफलता आपके द्वार पर होगी। क्या आपने कभी विचार किया की ओलंपिक में गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा और नीरज चोपड़ा की सफलता का राज क्या है, निसंदेह उनके मन में केवल मेहनत परिश्रम और साहस था, उनके दिमाग में डर नाम की कोई चीज नहीं थी। यही उनकी सफलता का बड़ा फलसफा है।

प्राचीन यूनानी कवि वर्जिन में युवाओं को संबोधित करते लिखा था कि भाग्य सदैव साहसी लोगों का साथ देता है,ऐसे लोगों का साथ न दीजिए, उनसे मित्रता न कीजिए जो हमेशा अपनी उपलब्ध सुविधा के नाम पर रोना रहता रोते हैं, और अपनी परिस्थितियों से लगातार शिकायत करते हैं, ऐसे लोग सदैव खोजते रहते हैं कि मैं किसी बड़े धनवान व्यक्ति के घर में क्यों पैदा नहीं हुआ, जहां अपार सुख सुविधाएं उपलब्ध है और मैं भी सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करता, पर वह यह नहीं जानता कि बड़े व्यक्ति के बड़े होने के पीछे कितनी मेहनत साहस और ऊर्जा अंतर्निहित है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा गया है की लक्ष्मी निष्क्रिय और निठल्ले लोगों का साथ नहीं देती, एवं निष्क्रिय लोगों के पास नहीं जाती है।

अब्राहम लिंकन ने भी कहा कि डर कमजोर दिमाग के निशानी है।, मनुष्य को डर अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए, डर के परिणाम स्वरुप ही शंका पैदा होती है, और शंका व्यक्ति के मन में कमजोरी लाती है। डरा हुआ व्यक्ति हमेशा नकारात्मक विचारों वाला होता है और यही नकारात्मक विचार असफलता को जन्म देते हैं, गीता का भी ज्ञान है कि कर्म किए जा फल की इच्छा मत रख ए इंसान, आप स्वयं एक दिन कह उठेंगे भाग्य साहसी व्यक्ति का साथ देता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण चीन सागर पर दावेदारी करने वाले देशों पर दबाव बनाने में नाकाम रहा है चीन : अमेरिकी कमांडर

मनीला/एपी। अमेरिका के प्रशांत महासागर क्षेत्र बेड़े के कमांडर ने कहा कि चीन धौंस दिखाने वाली अपनी तरकीबों के बावजूद विवादित दक्षिण चीन सागर में संप्रभु हितों को छोड़ने के लिए अन्य दावेदार देशों को डराने में विफल रहा है तथा वाशिंगटन और अन्य सहयोगी देश बीजिंग की आक्रामकता के खिलाफ प्रतिरोध को और मजबूत करने के लिए तैयार हैं।

दुनिया के सबसे बड़े नौसैन्य बेड़े की कमान संभाल रहे एडमिरल स्टीफन कोलर ने शुक्रवार को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जहाजों के आवागमन की स्वतंत्रता और कानून के शासन की रक्षा में मदद के लिए अमेरिकी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रशांत बेड़े का मिशन सहयोगियों और साझेदारों के साथ मिलकर पूरे क्षेत्र में आक्रामकता को रोकना और जरूरत पड़ने पर युद्ध में जीत हासिल करना है। कोलर ने कहा, चीन की रणनीति लगातार और अधिक आक्रामक होती जा रही है, जिसमें टक्कर मारना, पानी की बौछारें करना, लेजर का इस्तेमाल करना और कभी-कभी उससे भी बदतर तरीके शामिल हैं। लेकिन इन धमकाने वाले हथकंडों के बावजूद...चीन दक्षिण-पूर्व एशियाई दावेदारों को उनके संप्रभु अधिकारों का परित्याग कराने के लिए डराने-धमकाने में नाकाम रहा है। चीनी अधिकारियों ने कोलर की टिप्पणी पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन उन्होंने पूर्व में वाशिंगटन को चेतावनी दी थी कि वह उस मामले में हस्तक्षेप करना बंद करे, जिसे बीजिंग पूरी तरह से एशियाई विवाद कहता है और शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास कर रहा है। अमेरिकी कमांडर ने बताया कि किस तरह इंडोनेशिया, मलेशिया और वियतनाम ने बीजिंग की बढ़ती आक्रामकता के बावजूद दक्षिण चीन सागर में अपने विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में अपने अपतटीय तेल और गैस परिचालन को बनाए रखा है या उसका विस्तार किया है। उन्होंने कहा कि फिलीपीन ने चीनी सेना के खतरनाक युद्धाभ्यासों को सार्वजनिक करके चीन की आक्रामक कार्रवाइयों को उजागर किया है, जिसमें पानी की जोरदार बौछार और लेजर किरणों का उपयोग करना भी शामिल है। उन्होंने कहा, अमेरिकी प्रशांत बेड़ा आपके साथ मिलकर काम करने के लिए हमेशा तैयार है ताकि प्रतिरोध को मजबूत किया जा सके और यह प्रदर्शित किया जा सके कि किसी भी देश को दबाया नहीं जा सकता।

कोलर ने कहा कि प्रतिरोध ने उस बड़े संघर्ष और संकट को रोकने में मदद की है जो जलमार्ग के माध्यम से व्यापार में बाधा डाल सकता है और कई अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर सकता है। फिलीपीन ने दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ अपने विवादों को 2013 में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के लिए उठाया था। इसके एक वर्ष पहले विवादित जल क्षेत्र को लेकर तनाव उत्पन्न हुआ था। हालांकि, चीन ने मध्यस्थता में भाग लेने से इनकार कर दिया और इसका उल्लंघन करना जारी रखा। फिलीपीन में अमेरिकी राजदूत मैरीके कार्लसन ने कहा कि मध्यस्थता का निर्णय फिलीपीन के लिए एक जीत है और यह हमें ऐसे भविष्य की ओर ले जाने वाला एक प्रकाश स्तंभ है, जहां शक्तिशाली देश अन्य देशों के कानूनी अधिकारों को कुचल नहीं सकेंगे।

सम्मान

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को 'डिलाइट फॉर दिल्ली' के दौरान सम्मानित किया गया।

भाजपा के इस्तीफा स्वीकार करने के बाद विधायक राजा सिंह ने हिंदुत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के विधायक टी राजा सिंह ने शुक्रवार को कहा कि वह अपनी अंतिम सांस तक राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और सनातन धर्म के लिए काम करते रहेंगे, भले ही भाजपा ने पार्टी से उनका इस्तीफा आधिकारिक तौर पर स्वीकार कर लिया हो।

सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि यह निर्णय उन्होंने किसी पद, सत्ता या व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण नहीं लिया है। उन्होंने कहा, शायद मैं तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनाने का सपना लेकर दिन-रात मेहनत कर रहे लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं की पीड़ा दिल्ली तक नहीं पहुंचा सका। भाजपा के साथ अपने 11 साल के सफर को याद करते हुए सिंह ने कहा कि देश की सेवा और हिंदुत्व की रक्षा के लिए वह पार्टी से जुड़े थे। उन्होंने हैदराबाद की गोशामहल सीट से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तीन बार टिकट दिये जाने को लेकर पार्टी पदाधिकारियों का शुक्रिया अदा किया। सिंह ने कहा, मेरा जन्म हिंदुत्व की सेवा के लिए हुआ है और मैं अंतिम सांस तक हिंदुत्व के लिए कार्य करता रहूंगा। भाजपा ने सिंह का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उनके आरोपों को अप्रासंगिक बताया। उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए पार्टी द्वारा किये गए चयन की आलोचना करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष के रूप में रामचंद्र राव की संभावित नियुक्ति से नाराज राजा सिंह ने 30 जून को तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को एक पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि यह निर्णय भाजपा के लाखों सदस्यों को स्तब्ध करने वाला और निराशाजनक है।

हिंदी बोलना मातृभाषा का अपमान नहीं : केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि कभी-कभी होने वाले हिंदी विरोधी आंदोलन बड़े पैमाने पर राजनीति से प्रेरित होते हैं और हिंदी बोलने को किसी की मातृभाषा के अपमान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

केंद्र सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उसकी स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'दक्षिण संवाद' को संबोधित करते हुए रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जो किसी एक भाषा से नहीं बल्कि साझा आदर्शों और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता से एकजुट है। भाजपा नेता ने कहा कि हिंदी (राजभाषा) को हमारी मातृभाषाओं के साथ-साथ सीखा और सम्मान दिया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह हिंदी में बात करने की कोशिश करते हैं क्योंकि इससे उन्हें देश भर के लोगों से संवाद करने में मदद मिलती है और ऐसा करना उनकी मातृभाषा तेलुगु के खिलाफ नहीं है।जो लोग हिंदी के खिलाफ बोलते हैं और हिंदी के खिलाफ आंदोलन करते हैं, वह भाषा से जुड़ा आंदोलन नहीं है।

अभिनेत्री उर्फी जावेद और फ़ातिमा सना शेख को मुंबई में डर्टी मैगज़ीन की डर्टी नाइट आफ्टरपार्टी में शामिल हुईं।

'सन ऑफ सरदार-2' का ट्रेलर आउट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज कर दिया गया है, ट्रेलर में अभिनेता जस्सी के रोल में फिर से वापसी कर रहे हैं। अभिनेता अजय देवगन ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर अपकमिंग फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' का ट्रेलर शेयर किया जिसमें अजय देवगन जस्सी के रूप में फिर से वापसी कर रहे हैं। अभिनेता ने ट्रेलर शेयर कर कैप्शन में लिखा, एक्शन! इमोशन्स! कन्फ्यूजन का भंडार। जस्सी वापस आ गया है, और इस बार सब कुछ डबल है। सन ऑफ सरदार-2, आने वाली 25 जुलाई को सिनेमाघरों में! ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म एक्शन, हास्य और पंजाबी अंदाज से भरपूर, और मनोरंजक होगी। ट्रेलर की शुरुआत 'सन ऑफ सरदार' की पुरानी यादों के साथ होती है, जो दर्शकों को जस्सी की बेकाबू और मजेदार दुनिया में वापस ले जाती है। उसके बाद ट्रेलर में अंग्रेजी बेबे पोल डांस करती नजर आती हैं, जिसे करते-करते वह अचानक गिरती हैं। इस बीच जस्सी की मुलाकात तीन लेडीज से होती है, जिसमें से एक को वह मजेदार डायलॉग बोलते हुए कहते हैं, 'तू पहले तो सिर्फ जनानी थी, लेकिन अब एक जनानी, वो भी पाकिस्तानी... तुम हमारे देश पर बम फोड़ते हो, हमारे देश पर'। ट्रेलर में सबसे मजेदार वह सीन है, जब मृणाल अपनी दोस्त की शादी करवाने के लिए खुद मम्मी बनती हैं और जस्सी उर्फ अजय देवगन को पापा बना देती हैं और रवि किशन को इम्प्रेस करने के लिए सरदारजी उर्फ जस्सी उन्हें 'बॉर्डर' फिल्म की कहानी सुनाने लगता है।विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित फिल्म में संजय मिश्रा, विंदू दारा सिंह, डॉली अहलूवालिया और नीरू बाजवा, चंकी पांडे, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, रोशनी वालिया, शरत सक्सेना और साहिल मेहता शामिल हैं। फिल्म को जियो स्टूडियोज, देवगन फिल्म्स और टी-सीरीज ने मिलकर बनाया है। फिल्म में एक्शन, कॉमेडी और भरपूर ड्रामा देखने को मिलेगा। यह फिल्म 2012 की हिट 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल है। साल 2012 में रिलीज हुई 'सन ऑफ सरदार' में सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में थीं। उस फिल्म में अजय देवगन ने जस्सी और संजय दत्त ने बिल्लू का किरदार निभाया था। सीक्वल में संजय दत्त एक बार फिर डॉन के किरदार में लौटेंगे। वहीं, इसमें पहले विजय राज के लिए लिखा गया किरदार अब संजय मिश्रा निभाते दिखेंगे।

मुंबई में फिल्म 'केडी - द डेविल' के टीज़र लॉन्च कार्यक्रम में अभिनेता संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का दूसरा संस्करण अहम मुद्दों को सामने लाएगा : एकता कपूर

नई दिल्ली/भाषा। धारावाहिक निर्माता एकता कपूर ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह लोकप्रिय धारावाहिक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का दूसरा संस्करण लाने के विचार के सख्त खिलाफ थीं, लेकिन फिर उन्होंने ऐसा करने का फैसला किया क्योंकि वह एक ऐसा शो बनाना चाहती थीं जो महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाता है।

एकता कपूर ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का निर्माण किया था, जो स्टार प्लस चैनल पर प्रसारित हुआ था और जिसने 2000 से 2008 जक दर्शकों के दिलों पर राज किया था।

इस शो ने पिछले महीने अपने 25 साल पूरे कर लिए। अब इस धारावाहिक का दूसरा संस्करण आ रहा है जिसमें अभिनेत्री-राजनेता स्मृति ईरानी एक बार फिर 'तुलसी विरानी' की भूमिका में दिखाई देंगी।

अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक बयान में, एकता ने लोगों के इस सवाल का जवाब दिया कि उन्होंने इतने सालों बाद शो को वापस लाने का फैसला क्यों किया?

एकता ने कहा, '' जब 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के 25 साल पूरे होने वाले थे और इसे दोबारा शुरू करने का विचार सामने आया तो मेरी पहली प्रतिक्रिया थी 'नहीं'। आप पुरानी यादों से मुकाबला नहीं कर सकते, यह हमेशा हावी रहती हैं....।'' उन्होंने दावा किया कि एक अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा किए गए शोध से पता चला कि इस शो ने घरों में महिलाओं को आवाज दी है।

एकता ने कहा,'' 2000 से 2005 के बीच पहली बार महिलाओं ने पारिवारिक चर्चाओं में भाग लेना शुरू किया और यह बदलाव भारतीय टेलीविजन खासकर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'कहानी घर घर की' से आया था।''

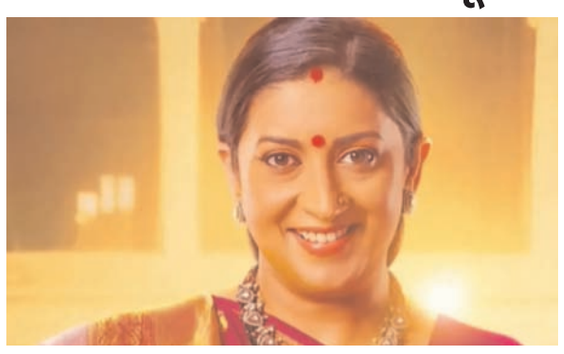

एकता ने कहा,'' इस धारावाहिक ने दुनिया भर में भारत की कहानी कहने की परंपरा को आगे बढ़ाया। यह सिर्फ़ एक डेली सोप नहीं था बल्कि इसने बलात्कार, वैवाहिक बलात्कार, उम्र को लेकर शर्मिंदगी और इच्छामृत्यु जैसे मुद्दों पर चर्चा का मैदान तैयार किया। यही इस कहानी की असली विरासत थी।'' उन्होंने कहा कि 'स्टार प्लस' और अपने प्रोडक्शन हाउस बालाजी टेलीफिल्म्स के अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान उन्होंने कई सवालों पर विचार किया और जब उन्हें जवाब मिल गए, तो उन्होंने नए शो के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया।

सलमान खान के साथ 'बैटल ऑफ गलवान' में अभिनय करेंगी चित्रांगदा सिंह

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह सलमान खान की अगली फिल्म बैटल ऑफ गलवान में अभिनय करेंगी। बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी गई। शूटआउट एट लोखंडवाला फिल्म के निर्देशक अपूर्वा लाखिया के निर्देशन में बनने वाली यह फिल्म 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर आधारित है। लाखिया ने एक बयान में कहा, मैंने 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' और फिर 'बॉब बिस्वास' में चित्रांगदा का अद्भुत अभिनय देखा था, तब से मैं उनके साथ काम करना चाहता था। उन्होंने कहा, हम बैटल ऑफ गलवान की टीम में चित्रांगदा सिंह का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित महसूस कर रहे हैं। चित्रांगदा पर्दे पर जोश और संवेदनशीलता का एक अनोखा मिश्रण लेकर आती हैं। सलमान ने अपने सोशल मीडिया खातों पर पिछले सप्ताह फिल्म की आधिकारिक घोषणा की थी। निर्माताओं के अनुसार, यह फिल्म एक ऐसी लड़ाई पर आधारित है, जिसमें एक भी गोली नहीं चली थी। समुद्र तल से 15,000 फुट ऊंचाई पर हुई यह लड़ाई भारत की अदम्य वीरता का प्रमाण है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों में भारतीय सेना के 20 जवानों ने प्राणों की आहुति दी थी। यह दशकों बाद भारत और चीन के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था।

सलमान ने अपना वादा निभाया

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सलमान खान ने आगामी फिल्म ''बैटल ऑफ गलवान'' में उनके साथ काम करके अपना वादा निभाया है। ''शूटआउट एट लोखंडवाला'' से प्रसिद्धि पाने वाले अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत और चीन के सशस्त्र बलों के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है। सलमान और चित्रांगदा फिल्म ''बैटल ऑफ गलवान'' में पहली बार साथ नजर आ रहे हैं। चित्रांगदा ''हजारों ख्वाहिशें ऐसी'', ''ये साली जिंदगी'' और ''देसी बॉयज'' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। एक बयान में अभिनेत्री ने कहा कि वह कई साल पहले सलमान खान के साथ एक मराठी प्रोजेक्ट में काम करने वाली थीं, लेकिन यह रद्द हो गया। चित्रांगदा ने कहा कि तब सलमान ने उनसे वादा किया था कि वह किसी अन्य फिल्म में उनके साथ काम जरूर करेंगे और अब अभिनेता ने अपना वादा निभा दिया है। चित्रांगदा ने इस भूमिका के लिए उन पर भरोसा करने के लिए लखिया की भी प्रशंसा की। अभिनेत्री ने कहा, ''वह किसी भी बड़े स्टार को फिल्म में ले सकते थे, लेकिन उन्होंने मेरे काम पर भरोसा किया। मुझे 'बैटल ऑफ गलवान' जैसी महत्वपूर्ण और जबरदस्त कहानी का हिस्सा बनने पर गर्व है।'' सलमान ने पिछले हफ्ते अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट के जरिये इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की थी।

'अव्यान' में अनुष्का कौशिक का नया अवतार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनुष्का कौशिक फिल्म निर्माता सुनील कोठारी की अपकमिंग फिल्म 'अव्यान' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने शूटिंग के अनुभव के बारे में खुलकर बात की। अनुष्का ने फिल्म की शूटिंग के अनुभव के बारे में बात करते हुए बताया कि शूटिंग ने उनके पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने बताया, 'अव्यान' का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी आध्यात्मिक अनुभव से कम नहीं रहा। फिल्म की स्क्रिप्ट ने मुझे बहुत प्रभावित किया, यह सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि इसमें जीवन के छोटे-छोटे पलों को गहरे विचारों से जोड़ा गया है। वाराणसी में, उसकी ऊर्जा और भक्ति के बीच शूटिंग करना मेरे लिए एक 'विनम्र अनुभव' था। मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हूं जो हमारी संस्कृति और समृद्धि को दिल से दिखाती है।

फिल्म निर्माता सुनील कोठारी ने अभिनेत्री अनुष्का के अभिनय की सराहना करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने अपकमिंग फिल्म 'अव्यान' में अपने किरदार को अच्छे से निभाया। उन्होंने कहा, मैंने अनुष्का में एक खास खूबी देखी। वह ऐसी कलाकार हैं जो परदे पर किरदार के मजबूत और कमजोर दोनों पहलुओं को बैलेंस करके पेश करती हैं, जिससे उनका अभिनय स्वाभाविक लगने लगता है। अपकमिंग फिल्म में दर्शकों को उनका खास अंदाज देखने को मिलेगा। वाराणसी के पवित्र घाटों और पतली गलियों में बनी फिल्म 'अव्यान' का निर्देशन गौरव खाती ने किया है। यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पिछले महीने, फिल्म के निर्माता सुनील कोठारी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के शीर्षक का अनावरण किया था। इसके साथ उन्होंने एक पोस्टर भी रिलीज किया, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता जगा दी है। पोस्टर में शाम के समय के गंगा तट का एक बेहद खूबसूरत दृश्य दिखाया गया है। अनुष्का कौशिक के वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्होंने 'लस्ट स्टोरी-2' और 'पटना शुक्ला' में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाई है। कौशिक 'घर वापसी', 'क्रैश कोर्स', 'गर्मी' और 'नॉट डेटिंग' जैसी लोकप्रिय डिजिटल सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

'हंटर' सीजन-2 में सुनील शेट्टी की वापसी, जैकी श्रॉफ भी दिखाई देंगे

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता सुनील शेट्टी अमेजन एमएक्स प्लेयर की सीरीज 'हंटर' के दूसरे सीजन में एसीपी विक्रम सिन्हा के रूप में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इसका हाल ही में एक 'टीजर' भी जारी किया गया है। यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह शो सिन्हा के इर्द-गिर्द घूमता है जो अपनी बेटी को बचाने के लिए अपराध जगत के खिलाफ जाता है। विज्ञप्ति में कहा गया कि इस दूसरे सीज़न में सिन्हा 'एक नए चक्रव्यूह में फंस जाता है जो कहीं ज़्यादा पेचीदा है और उसका सामना एक खलनायक से होता है। शेट्टी ने एक बयान में कहा, ''सीजन -1 खास था। इसमें इस दुनिया का और विक्रम के सफर का रोमांच था। दर्शकों ने उसे न्याय की रक्षा के लिए अपने अतीत से भागते देखा। लेकिन सीजन 2 में वह अतीत सबसे अकल्पनीय तरीके से सामने आता है। विक्रम टूट जाता है। वह एक मिशन पर निकला पिता है, जिसके पास खोने के लिए कुछ नहीं बचा है..।''

जैकी श्रॉफ और शेट्टी वास्तविक जीवन में दोस्त हैं और उन्होंने 'बॉर्डर', 'हलचल', 'अपना सपना मनी मनी', 'आन' समेत कई अन्य फिल्मों में साथ काम किया है। सेल्समैन का नकारात्मक किरदार निभा रहे श्रॉफ ने कहा कि जब उन्हें इस भूमिका का प्रस्ताव दिया गया तो वह इसके लिए तैयार हो गए। प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा द्वारा निर्देशित इस कार्यक्रम का निर्माण यूडली फिल्म्स द्वारा किया गया है। 'हंटर' सीजन -2 में अनुषा दांडेकर और बरखा बिष्ट भी हैं और इसका प्रीमियर जल्द ही अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर होगा।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पूरब हो या पश्चिम, हर क्षेत्र में समय-समय पर धार्मिक, आध्यात्मिक और नैतिक जागरण के लिए अनेक दार्शनिक गुरु हुए, जिनके वचनों पर चलकर संसार ने अच्छाइयां सीखी।

दर्शन यात्रा संघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ सदस्य शुक्रवार को शुभ मुहूर्त में देव दर्शन बस यात्रा संघ के लिए रवाना हुए। शर्मा ट्रांसपोर्ट के सौजन्य व समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा के नेतृत्व में त्रिज्योतिर्लिंग दर्शन यात्रा संघ के तहत श्रद्धालु शिरड़ी, शनि शिंगणापुर, त्रयंबकेश्वर, भीमाशंकर, घृष्णेश्वर सहित आस-पास के प्रमुख देवस्थानों के दर्शन करेंगे।

अरसीकेरे के नाकोड़ा तीर्थ में गुरु पूर्णिमा कर लगा मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। शहर के दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में गुरु पूर्णिमा का पर्व व पूनम मेले का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। मेले का लाभ विकास कुमार आशीष कुमार बाफणा परिवार ने लिया और बाफना परिवार रेल यात्रा संघ लेकर तीर्थ पहुंचा। तुषार गुरु ने पूरे विधि विधान से पार्श्व भैरव महापूजन करवाया। संभव संगीत मंडल के साथ गायक दिलखुश बाफणा, प्रकाश राठौड़ ने भजनों की प्रस्तुति दी। गुरु पूर्णिमा के मौके पर कोडीमठ के पीठाधीश्वर श्री शिवानन्द महास्वामी अपने शिष्य के साथ तीर्थ परिसर पहुंचे और आशीर्वाद दिया। इस मौके पर राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार द्वारा पूनम संघ यात्रा का आयोजन किया। तीर्थ में लाभार्थी परिवार द्वारा भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल अर्पण किया गया। इस मौके पर बेंगलूरु, अरसीकेरे सहित आसपास के क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। समापन के मौके पर ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने शिवानंद स्वामी व लाभार्थी परिवार का सम्मान किया।

स्वागत

केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को बेंगलूरु में पूर्व मंत्री बीटी ललिता नाइक और कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले अन्य लोगों का स्वागत किया।

कार्यस्थल पर लैंगिक-संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करें: रश्मि सिंह

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार की एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कार्यस्थल संस्कृति में बदलाव का आह्वान किया ताकि कानूनी अनुपालन के लिए केवल निर्धारित मानदंडों को पूरा करने के बजाय सार्थक सुधारों और समावेशी प्रथाओं के माध्यम से महिला कर्मचारियों को सक्रिय रूप से सहयोग प्रदान किया जा सके। कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित तीसरे राष्ट्रीय 'पोश' सम्मेलन एवं उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 में महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव डॉ. रश्मि सिंह ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान केवल आंतरिक शिकायत समितियों (आईसीसी) के गठन तक सीमित नहीं होना चाहिए, जैसा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत अनिवार्य है। उन्होंने अधिनियम के तीनों आधारों रोकथाम, निषेध और निवारण को समान गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

सिंह ने कार्यबल में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया, विशेष रूप से सक्षम बुनियादी ढांचे की कमी और असुरक्षित वातावरण का भावनात्मक बोझ। उन्होंने/ कहा, महिलाओं की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पाता क्योंकि कई कार्यस्थल अनुकूल नहीं हैं। हम हर महिला और लड़की को एक सुरक्षित वातावरण में सम्मानजनक करियर बनाने का अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रदर्शन

नई दिल्ली में दिल्ली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में बस मार्शल शामिल हुए।

अशोक भंडारी

विनोद नंदावत

भंडारी बने जेवाईएस सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष, नंदावत बने सचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट की आगामी वर्ष 2025-27 की नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ जिसमें अशोक कुमार भंडारी को अध्यक्ष व विनोदकुमार नंदावत को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भरतकुमार रांका को उपाध्यक्ष, रिखबराज लोढ़ा को सहमंत्री व हेमन्तराज लोढ़ा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अशोककुमार पितलिया, भागचन्द गुगलिया, भीकमचन्द मुणोत, गौतमचन्द मेहता, महेन्द्रकुमार कोठारी, शांतिलाल मेहता को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया है। सज्जनराज मेहता को अनुदान संचयन चेयरमैन, दिनेश सुराणा को जीवन संजीवनी चेयरमैन, सुभाष गोटावत को जीवन शिक्षा चेयरमैन व प्रवीण पोरवाल को जीवन रक्षा चेयरमैन बनाया गया है।

मोक्ष प्राप्ति के प्रमुख मार्ग है दान, शील, तप और भाव : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी ये चातुर्मास आया है। ये चातुर्मास आत्मकल्याणकारी चातुर्मास है जिसमें आत्मा के कल्याण के लिए भगवान महावीर ने दान, शील, तप और भाव चार प्रकार के धर्म बताए हैं। उसमें भी भाव का महत्व सबसे अधिक है। जिस प्रकार खाने में सभी मसालों में से नमक का महत्व ज्यादा होता है, उसी तरह दान, शील, तप का महत्व भी तभी है अगर उसमें भाव जुड़े हुए हों। उन्होंने कहा कि भावना से रहित आत्मा कितना भी प्रयत्न करे, वह मुक्ति प्राप्त नहीं कर सकती।

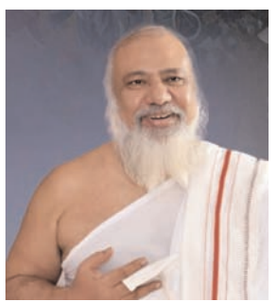

मोक्ष प्राप्ति के चार प्रमुख मार्ग हैं दान, शील, तप और भाव। दान के साथ दान की शुद्ध भावना, तप करने में शुद्ध भाव और शील (ब्रह्मचर्य) का पालन करने में भी सच्ची भावना होनी चाहिए। जिस तरह हवा के बिना अच्छे से अच्छा जहाज भी समुंदर में चल नहीं सकता। वैसे ही अच्छे से अच्छा चतुर साधक भी भाव के बिना संसार सागर को पार नहीं कर सकता। नाव को चलाने में जैसे पवन कारक है, वैसे ही धर्म रूपी साधना भी भाव रूपी नाव से ही पार की जा सकती है। भावना शुद्ध रही तो आधे घंटे में ही महान कर्म निर्जरा कर सकते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि भावधर्म दरिद्रता का नाश करता है।

दान से सादगी एवं सन्मति की प्राप्ति होती है। शीलधर्म अनंत जन्मों से उपार्जित बुरे कर्मो का नाश करता है। तप हमारी आत्मा के ऊपर जो कर्मों का बंधन है उसे हटाता है। तपस्या के अंदर तप करना आवश्यक है। मंदिर के ट्रस्टी नरेश बम्बोरी ने बताया कि 14जुलाई से आचार्यश्री की निश्रा मे मोक्षदंड तप की तपस्या की शुरुआत होगी।

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में दादावाड़ी में हुई दादा गुरुदेव की विशेष भक्ति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरुदेव की भक्ति की गई। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी को गुरु पूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएं दी। मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि प्रति पूर्णिमा को गुरुदेव की भक्ति आयोजित की जाती है, लेकिन गुरु पूर्णिमा के शुभ दिवस पर सभी गुरुदेवों के उपकारों का स्मरण करते हुए अनेक श्रद्धालुओं ने झूमते गाते भक्ति की और गुरुदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर अनेक सदस्य उपस्थित थे।

चातुर्मास में विराधना छोड़कर आराधना में लगना चाहिए : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि छह आवश्यक में से एक आवश्यक सामायिक एक प्रकार से औषधालय है, जहां हमें भव-भव की जन्म मरण की पीड़ा से मुक्ति प्राप्त होती है। हमें जिनशासन रूपी औषधालय में अपने कई भवों के रोगों को मिटाना है। तीर्थंकर परमात्मा रूपी डॉक्टर हमें इसमें सहायता करते हैं। देवगति में लोभ, मनुष्य गति में मान, नरक गति में क्रोध रूपी बीमारियां आत्मा के साथ लगी रहती हैं। चातुर्मास काल में हमें विराधना छोड़कर आराधना में लगना है। छह आवश्यकों के साथ हमें परमात्मा पूजा भी करनी चाहिए।

परमात्मा की पूजा दर्शन करने के भाव आने से ही हमारे अनेक कर्मों की घोर निर्जरा होती है। हमें जीवन में सम्यक दर्शन, ज्ञान और चारित्र रूपी रत्नत्रय प्राप्त करना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा ने शुक्रवार को मैसूर के चामुंडी हिल्स स्थित श्री चामुंडेश्वरी मंदिर में दर्शन किए।

दोषों से मुक्त कर, हमें गुणवान बनाते हैं गुरु : आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पूरब हो या पश्चिम, हर क्षेत्र में समय-समय पर धार्मिक, आध्यात्मिक और नैतिक जागरण के लिए अनेक दार्शनिक गुरु हुए, जिनके वचनों पर चलकर संसार ने अच्छाइयां सीखी। सुकरात, लाओत्से, एरिस्टोटल, कंफ्यूसिस, रामतीर्थ, रामकृष्ण परमहंस, कबीर, रहीम, सूफी संत, महर्षि अरविंद, तुकाराम, ज्ञानेश्वर, दलाई लामा, दयानंद सरस्वती, नानक, शंकराचार्य, जैनाचार्य, जैसे गुरुतत्व के हजारों पवित्र व्यक्तित्व हैं, जिनसे संसार को सही राह मिली और मानवता रोशन हुई। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आध्यत्मिक उन्नति के लिए संसार में तीन तत्व हैं भगवान, गुरु और धर्म। इसमें गुरुतत्व सबसे महत्वपूर्ण है। भगवान कितने ही शक्तिशाली और विशिष्ट हों, उन्हें भी अपने प्रारंभिक काल में आध्यात्मिक विकास के लिए सद्गुरु की आवश्यकता रहती हैं। संसार में गुरु ही श्रद्धालुओं को भगवान और धर्म का परिचय करवाते हैं। हर काल, हर क्षेत्र और हर धर्म-मान्यता में गुरुतत्व की महिमा रही है। गुरु प्रेरणादायक, मार्गदर्शक, प्रकाशपुंज हैं। गुरु जीवन के भव्य निर्माता, कुंभकार हैं। गुरु जीवननैया के कुशल खेवनहार हैं। हर मनुष्य के जीवन में एक सद्गुरु होने चाहिए। जैसे कानूनी उलझनों से बचने के लिए कुशल एडवोकेट चाहिए, शरीर के रोगों को मिटाने के लिए पारंगत डॉक्टर चाहिए, वैसे ही मन के रोगों को दूर करने, भवरोग को मिटाने के लिए एक आध्यत्मिक सद्गुरु की आवश्यकता होती है।ङ्गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि जैन परंपरा में अनेक प्रकार की तप साधनाएं प्रचलित हैं। यहां गदग में शनिवार से सोलह दिवसीय कषाय जय तप की साधना प्रारंभ हो रही है। व्यवहार हो या आध्यात्म सबके लिए बाधक हैं क्रोध, अभिमान, माया और लोभ। इनको जैन पारिभाषिक शब्दावली में कषाय कहा जाता है। इन चारों दोषों-दुर्गुणों को नियंत्रित व निर्मूल करने के लिए यह तपस्या करवाई जा रही हैं। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि गदग में तीन सौ से अधिक साधक विभिन्न साधनाओं से जुड़े हुए हैं।

जीतो उदयपुर और बेंगलूरु साउथ चैप्टर के बीच हुई व्यावसायिक बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो उदयपुर चैप्टर ने बेंगलूरु साउथ चैप्टर के साथ उत्पादक व्यावसायिक बैठक का आयोजन किया जिसमें दोनों चैप्टर के 30 सदस्यों की उपस्थिति थी। उदयपुर चैप्टर के चेयरमैन यशवंत आंचलिया ने सदस्यों का स्वागत किया। जीतो अपेक्स के सचिव महावीर चपलोत ने कहा कि सभी चैप्टरों को इस प्रकार से व्यावसायिक विचारों का आदान-प्रदान करना चाहिए ताकि सदस्यों के बीच नेटवर्किंग हो सके और समाज के विकास के कार्यों को गति मिले। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने चैप्टर की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी, जिसमें 1-2 अगस्त को आयोजित होने वाले बिज़नेस सम्मिट-2025 के आयोजन के बारे में बताया। उन्होंने उदयपुर चैप्टर के सदस्यों को सम्मिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने जेबीएन की सफलता की कहानी भी साझा की। चैप्टर जेबीएन 360, शार्क टैंक और स्टार्टअप पिच डे सत्रों की मेजबानी करने की योजना बना रहा है।

इसके अलावा उन्होंने जीतो बेंगलूरु की प्रमुख परियोजनाओं, विशेषकर जैन बंधु योजना, छात्रवृत्ति योजना पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम ने सदस्यों को उपयोगी चर्चाओं में शामिल होने, नए संबंध बनाने और संभावित व्यावसायिक सहयोग पर चर्चा करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया गया।बैठक में वैचारिक आदान-प्रदान और संभावित व्यावसायिक साझेदारियों के अवसर दिए गए। इस बैठक में जीतो उदयपुर के मुख्य सचिव अभिषेक संचेती, पदाधिकारीगण और प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित थे।

स्वभाव व व्यवहार से ही होती है व्यक्ति की पहचान : संतश्री आर्यशेखरविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री आर्यशेखरविजयजी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि ज्ञान बिना जीवन व्यर्थ है। प्रवचन सुनने से ज्ञान में वृद्धि होती है। हमारे पास गाड़ी, बंगला कितना बड़ा है उससे कोई फर्क नहीं पड़ता अपितु हमारे स्वभाव से ही हमारी पहचान होती है।

किसी कार्य करने से पाप हो तो ऐसा कार्य नहीं, जिस खाने से बीमारी हो तो उसे खाना नहीं, खर्च करने से कर्जा बढ़े तो खर्च करना नहीं और कुछ बोलने से लड़ाई हो तो ऐसा बोलना नहीं चाहिए।

स्वभाव के बारे में बताते हुए संतश्री ने कहा कि गाय को सूखी घास भी खिलाएंगे तो वह दूध ही देगी क्योंकि उसका स्वभाव परोपकारी है जबकि सांप को दूध भी पिलाएंगे तो बदले में वह जहर ही देगा क्योंकि वह उसका स्वभाव है। दान भी हमेशा सुपात्र को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक डुबकी लगाने से मोती नहीं मिलता, एक लड़ाई से सेनापति नहीं बनता, उसी प्रकार हमें सफलता एक बार में नहीं मिलती, सफलता प्राप्ति के लिए लगातार अभ्यास करते रहना पड़ता है। जीवन में ज्ञान होना जरूरी है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com